डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 288 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 03 अगस्त 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant International Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म. प्र.) 07422-490333

पशुपतिनाथजी कल शहर में निकलेंगे, जानेंगे प्रजा का हाल

यातायात व्यवस्था में भी रहेगा बदलाव, तैयारियां पूरी

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। भगवान पशुपतिनाथ महादेव अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए सोमवार को नगर का भ्रमण कर जनता का हाल जानेंगे। शाही सवारी को लेकर तैयारी पूरी हो चुकी है। वहीं शाही सवारी के दिन यातायात व्यवस्था में बदलाव रहेगा। भगवान पशुपतिनाथ मंदिर से प्रारंभ होने वाली शाही सवारी को ध्यान में रखते हुए, शहर में संपूर्ण दिन के लिए यातायात व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।

1.बड़े वाहनों के लिए प्रतिबंधित मार्ग...

✻ 10 नंबर नाका से प्रतापगढ पुलिया तथा प्रतापगढ पुलिया से कोर्ट घाटी मार्ग बड़े वाहनों और बसों के लिए पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। ✻ प्रतापगढ से मंदसौर आने-जाने वाली बसें नया खेड़ा होकर आ-जा सकेंगी।

2. बड़ी पुलिया (पशुपतिनाथ मंदिर)

पूरे दिन सभी प्रकार के वाहन (दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया) बड़ी पुलिया पर प्रतिबंधित रहेंगे। केवल दो पहिया वाहन छोटी पुलिया से खिलचीपुरा चंद्रपुरा आ-जा सकेंगे। अन्य वाहन चंद्रपुरा और खिलचीपुरा जाने के लिए मेनपुरिया चौराहा या बाईपास नालछा माता मंदिर मार्ग का उपयोग करें।

3.शाही सवारी के दौरान शहर की व्यवस्था...

शाही सवारी के शहर भ्रमण के दौरान निर्धारित मार्गों को बंद रखा जाएगा और अन्य मार्गों पर वाहनों को डाइवर्ट किया जाएगा।

4.वाहन पार्किंग...

मंदिर आने वाले दर्शनार्थियों के लिए नई वाहन पार्किंग चंद्रपुरा और छोटी पुलिया नदी के किनारे मार्ग पर साइड में रखी गई है।

हर साल हो रहे हादसे..!

जिले में साढ़े तीन साल में 25 बच्चों की मौत

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। दो दिन पहले मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पिपलिया कराड़िया में एक किशोर और एक युवक की कुएं में डूबने से मौत हो गई। जिले में कुछ दिन ही बीतते हैं और किसी न किसी क्षेत्र में डूबने से बच्चों की मौत की खबर सामने आ जाती है। जिले में हर साल औसत 08 से 10 बच्चों की मौत पानी में डूबने से हो रही है। साढ़े तीन साल में करीब डेढ़ दर्जन से ज्यादा हादसों में 25 बच्चों की डूबने से मौत हो चुकी है। ये वे हादसे है, जिनमें एक से अधिक बच्चों की एक साथ मौत हुई जबकि, आधा दर्जन से अधिक ऐसे हादसे भी है जिनमें एक-एक बच्चों की मौत तालाब, नदी, कुओं में डूबने से हुई है। इन हादसों पर शासन, प्रशासन से लेकर नागरिकों को भी गंभीर होने की आवश्यकता है। ताकि इस तरह के हादसों को रोका जाए और पानी में डूब रही मासूम जिंदगियों को बचाया जाए।

तालाब व अन्य जलाशयों में हादसे...

कुछ-कुछ समय में तालाब व अन्य जलाशयों में बच्चों के डूबने के हादसे हो रहे हैं। साढ़े तीन साल में हुए करीब एक दर्जन से ज्यादा हादसों में जिलेभर में 25 से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है। बच्चे तालाब तो कभी पानी के गड्ढों में नहाने के लिए उतरते है। लेकिन, पानी की गहराई पता नहीं होने के कारण डूब जाते हैं। अब तक हुए हादसों में अधिकांश में यही सामने आया है कि बच्चे तालाब व अन्य जलाशयों पर नहाने के लिए पहुंचे थे। ऐसे में अभिभावकों को सतर्क रहना बहुत आवश्यक है। बच्चे जब अकेले तालाब, कुओं व नदी पर जाए तो विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। साढ़ेतीन साल में पानी में डूबने से बच्चों की मौत के सबसे अधिक हादसे जून से अक्टूबर माह के बीच ही हुए है, यानि वर्षा के बाद जल स्त्रोतों में पानी की आवक होते ही इस तरह के हादसों की आशंका बढ़ती है।

ढाई साल में ये हुए बड़े हादसे...

✻ 21 मार्च 2021 को होली के दिन शामगढ़ के नजदीक ग्राम जूनापानी में स्थित तालाब में तीन दोस्त डूब गए थे। इनमें से एक को तैराक ने बचा लिया था। जबकि, दो की मौत हो गई। 17 वर्षीय गोपाल व्यास, 17 वर्षीय विशाल बैरागी व 16 वर्षीय संस्कार तीनों निवासी शामगढ होली खेलने के बाद दोपहर में जूनापानी तालाब पर पहुंचे। यहां नहाते समय गोपाल व विशाल की डूबने से मौत हो गई थी। संस्कार को शामगढ के तैराक रोशन पंजाबी ने बचा लिया था।

✻ 10 अगस्त 2021 को ग्राम रहीमगढ में तालाब में डूबने से आठ वर्षीय गोविंद और 10 वर्षीय लखन की मौत हो गई। दोनों सगे भाई थे। दोनों बच्चे साइकिल से तालाब के पास खेलने गए थे और वहां तालाब में जाकर नहाने लगे। वहीं गहरे पानी में जाने से दोनों डूब गए। बाद में ग्रामीणों ने तालाब से बच्चों को बाहर निकाला तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

✻ 2 सितम्बर-2021 को सुवासरा क्षेत्र के ग्राम धनवाड़ा में तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। इस घटना में आठ वर्षीय अक्षय पिता जितेन्द्र बंजारा, सात वर्षीय कान्हा उर्फ किशन बंजारा गांव में ही स्थित तालाब पर नहाने गए थे। नहाने के दौरान दोनों गहरे पानी में पहुंचे और डूब गए थे। लोगों की मदद से दोनों बच्चों को निकाला गया, तब तक डूबने से उनकी मौत हो चुकी थी।

✻ 4 सितंबर-2021 को जूनापानी गांव के तालाब में डूबने से आठ वर्षीय विशाल और 10 वर्षीय वर्षा की मौत हो गई थी। दोनों बच्चे खेलते-खेलते तालाब के पास चले गए थे। यहां गहरे पानी में जाने से वे डूब गए। लोगों ने दोनों को पानी से निकाला, लेकिन तब तक मौत हो चुकी थी।

✻ 2 जनवरी 2022 को चंदवासा चौकी क्षेत्र के ग्राम तोलाखेड़ी में चंबल नदी का बेकवाटर पार कर दर्शन करने जा रही तीन महिलाओं की नदी में डूबने से मौत हो गई थी। मृतिकाओ में दो सगी बहनें और एक बहू शामिल थी। इस हादसे में ग्राम तोलाखेड़ी निवासी सगी बहनें 55 वर्षीय मोहनबाई धनगर और 53 वर्षीय रामीबाई धनगर व बहू 32 वर्षीय कारीबाई धनगर की मृत्यु डूबने से हुई थी।

✻ 10 मई 2022 सीतामऊ क्षेत्र के ग्राम दलावदा के पुराने तालाब में दो सगी बहनों सहित तीन बालिकाओं की डूबने से मृत्यु हो गई थी। तालाब में नहाने के दौरान दलावदा निवासी प्रकाश कुशवाह की 16 वर्षीय पुत्री आरती व 13 वर्षीय पुत्री गायत्री और उसके चचेरे भाई दिनेश कुशवाह की 14 वर्षीय पुत्री राधा की डूबने से मृत्यु हो गई थी।

✻ 11 जून 2022 एट लेन सड़क निर्माण में पुलिया निर्माण के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में नहाने पहुंचे दो बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई थी। ग्राम पांगाखेड़ा निवासी 10 वर्षीय विष्णु पिता विरमलाल मेघवाल एवं 10 वर्षीय यश पिता उमेश मेघवाल गांव कल्याणपुरा से अपने गांव पांगाखेड़ा आ रहे थे। तभी रास्ते में एट लेन के गड्ढे में भरे पानी में नहाने लगे। इसी दौरान विष्णु एवं यश की डूबने से मौत हो गई थी।

✻ 3 अगस्त 2022 को संजीत रोड पर स्थित ग्राम मुंदड़ी में स्थित खदान में भरे पानी में डूबने से चार किशोरों की मौत हो गई। यह सभी मंदसौर के निवासी थे। खदान में डूबने से 16 वर्षीय दीपक सिंघला निवासी कल्पना नगर, 16 वर्षीय कुणाल कछावा निवासी शंकर विहार, 17 वर्षीय ध्रुव शर्मा, 15 वर्षीय तरुणसिंह सोलंकी निवासी अभिनंदन की मृत्यु हो गई थी। चारों किशोर अपने दो अन्य साथियों के साथ शहर से लगभग 08 किमी दूर ग्राम मूंदड़ी में खदानों में भरे पानी में नहाने गए थे।

✻ 31 जुलाई 2023 को नगरी नगर परिषद क्षेत्र के ग्राम बुआखेड़ी में शास. उमावि के सामने स्टेडियम निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढों में भरे पानी में डूबने से दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई थी। गड्ढों में वर्षा का पानी भरा हुआ था। वहां दोनों बच्चे हरीश पिता सत्यनारायण एवं राज पिता विनोद खेल रहे थे, अचानक उनका पैर फिसल गया और वे गड्ढे में भरे पानी में डूब गए। डूबने से दोनों बच्चों की मौत हो गई थी।

✻ 16 अक्टूबर 2023 को ग्राम सूर्याखेड़ा में पोखर में नहाने के दौरान बच्चों की डूबने से मौत हो गई। 10 वर्षीय कमल पिता मुकेश बंजारा एवं 12 वर्षीय जीवन पिता प्रकाश बंजारा पोखर में नहाने गए थे, इसी दौरान दोनों बच्चों की डूबने से मौत हो गई। बालक जीवन महिदपुर का निवासी था वह कुछ दिन पहले ही अपने मामा के घर सूर्याखेड़ा आया था।

✻ सितंबर 2024 में मंदसौर जिले की सुवासरा थाना क्षेत्र के ग्राम देवरिया विजय में अनमोल उम्र 13 साल, महेश उम्र 13 साल रविवार की दोपहर घर से तालाब में नहाने के लिए निकले थे। जहां तालाब में डूबने से बच्चों की मौत हो गई।

प्रतिमा सफाई व मार्ग मरम्मत – सावन के अंतिम सोमवार 04 अगस्त को भगवान श्री पशुपतिनाथ की शाही सवारी को लेकर भगवान की रजत प्रतिमा की सफाई की। इसके साथ ही शाही सवारी मार्ग में हो रहे गड्डों को सही किया जा रहा है।

निजी स्कूल बंद, सरकारी स्कूल है विकल्प

डीपीआई के निर्देश-एक सप्ताह में बच्चों को स्कूल में प्रवेश दिलाए

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में करीब 35 निजी स्कूलों की मान्यता समाप्त कर दी गई है। इन स्कूलों में अध्ययनरत सैकड़ों विद्यार्थियों को नजदीक केसरकारी स्कूलों में प्रवेश का विकल्प दिया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआइ) ने सभी जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) को इस संबंध में व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कहा गया कि ऐसे विद्यार्थियों को एक सप्ताह के भीतर दूसरे स्कूल में प्रवेश दिलाया जाए।

आगे की पढ़ाई पर संकट...

जिन स्कूलों की मान्यता समाप्त हुई है उनमेंअब बच्चों की आगे की पढाई पर संकट है। इस कारण अब डीईओ की जिम्मेदारी होगी कि इन स्कूलों में दर्ज बच्चों को नजदीक के स्कूलों में प्रवेश दिलाएं। यह आदेश सत्र शुरू होने के चार माह बाद हुए।

250 स्कूलों की अपील खारिज...

बता दें कि प्रदेश के 350 निजी स्कूलों की मान्यता संबंधी विवाद की अपील शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के पास पहुंची थी। उन्होंने 250 स्कूलों की अपील को खारिज कर दिया। ये स्कूल जमीन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए थे। कुछ स्कूलों के पास जमीन नहीं थी तो कुछ के पास पर्याप्त जमीन और रजिस्ट्री के कागज नहीं थे। अपील में जाने वाले 50 स्कूलों की मान्यता का नवीनीकरण हुआ, वहीं 50 स्कूलों का मामला अभी भी लंबित है।

ई-संजीवनी एप पर शुरू हुई टेलीमेडिसिन सेवा

अब घर बैठे लें आयुर्वेद, होम्योपैथी व यूनानी चिकित्सा का परामर्श

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अब आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी इलाज के लिए न तो लंबी कतार में लगना होगा, न ही अस्पताल के चक्कर काटने होंगे। मप्र आयुष विभाग ने 'वैद्य आपके द्वार' योजना के तहत ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म पर आयुष परामर्श शुरू कर दिया है। इस सुविधा के तहत लोग मोबाइल एप पर एक क्लिक करके घर बैठे विशेषज्ञ डॉक्टरों से बात कर सकेंगे। योजना को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जोड़ा गया है और यह अब ई-संजीवनी एप के जरिए प्रदेश में लागू हो गई है। एप पर मरीज पसंद की भाषा में डॉक्टर से जुड़ सकते हैं।

मरीज को पहले कराना होगा रजिस्ट्रेशन

ई-संजीवनी भारत सरकार का राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म है। यह अब मप्र में भी आयुष विभाग की सेवाओं से लैस होकर आया है। यह प्लेटफॉर्म वीडियो कॉल, चैट और डॉक्यूमेंट शेयरिंग की सुविधा देता है। मरीज को पहले रजिस्ट्रेशन करना होगा। फिर उपलब्ध वैद्य या विशेषज्ञ डॉक्टर से स्लॉट बुक कर परामर्श लिया जा सकता है। डॉक्टर जरूरत के अनुसार दवा और जीवनशैली से जुड़ी सलाह देंगे।

आज लॉन्च होगा आयुष्मान का चैटबॉट

मोबाइल पर मिलेगा इलाज का पूरा रिकॉर्ड, नजदीकी अस्पताल का रास्ता भी बताएगा

भोपाल/मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए बड़ी सुविधा के साथ नया साफ्टवेयर तैयार हो गया है। इलाज, अस्पताल, लिमिट और ट्रांजेक्शन की जानकारी अब मोबाइल पर ही मिलेगी। इसके लिए नया चैटबॉट बनाया गया है। आने वाली 03 अगस्त को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इसे प्रशासन एकेडमी में लॉन्च करेंगे। यह चैटबॉट 24 घंटे काम करेगा। इसके साथ ही कार्यक्रम में 70 साल से अधिक उम्र के 8 लाख बुर्जुगों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए जाएंगे। योजना के सीईओ डॉ. योगेश भरसट ने बताया कि इससे मरीजों को अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

अस्पताल जाने से पहले मिलेगी पूरी जानकारी...

गूगल मैप से अस्पताल तक का रास्ता भी मिलेगा। कार्डधारक यह भी देख सकेंगे कि अब तक कितना इलाज हो चुका है और कितनी लिमिट बची है।

हिंदी-अंग्रेजी भाषा में काम करेगा...

मरीजों को अस्पताल जाने से पहले ही इलाज से जुड़ी पूरी जानकारी देगा। चैटबॉट वॉट्सएप जैसे इंटरफेस पर चलेगा। हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में काम करेगा।डिजिटल वॉलेट की सुविधा भी दी जाएगी। इसमें इलाज का पूरा लेनदेन का हिसाब मिलेगा। अब तक कितने रुपए खर्च हुए और कितनी राशि शेष है, यह भी पता चलेगा।

जन्मदिन पार्टी में लव जिहाद का आरोप

हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने घेरा थाना, रात में तैनात करना पड़ा पुलिस बल

रतलाम, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने एक बर्थडे पार्टी में हंगामा कर दिया। उनका कहना था कि तीन नाबालिग लड़कियां दूसरे समुदाय के दो युवकों के साथ सेलिब्रेट कर रही थीं। लव जिहाद की आशंका के चलते कार्यकर्ता वहां पहुंच गए। जिहादी युवक वहां से भाग निकले। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर दिया।

घटना शुक्रवार रात की है। दो बत्ती चौराहे पर एक होटल में सभी दोस्त जन्मदिन मना रहे थे। हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता वहां पहुंचे और लड़कियों से परिजनों को बुलाने को कहा। साथ ही पुलिस को सूचना दी। रात 10 बजे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई तो स्टेशन रोड थाने का घेराव कर दिया गया। भीड़ को देखते हुए पुलिस बल तैनात करना पड़ा। स्टेशन रोड थाना प्रभारी स्वराज डाबी ने नारेबाजी कर रहे लोगों को समझाने की कोशिश की। कुछ देर में रतलाम ग्रामीण एसडीओपी किशोर पाटनवाला पहुंचे। उनका कहना था कि अगर शिकायत आती है तो कार्रवाई की जाएगी। मौके पर बच्चियों के परिजन भी पहुंच गए। उन्होंने शिकायत करने से मना कर दिया। थाने पर फोर्स को तैनात किया गया। रात करीब 11.30 बजे मामला शांत हुआ। सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया ने बताया कि कुछ लोग थाने पर शिकायत लेकर आए थे। फरियादी से संपर्क किया। सभी को समझाइश दी, उसके बाद सभी लोग थाने से रवाना हो गए।

युवकों की चेन है, पुलिस को करना चाहिये जांच...

हिंदू जागरण मंच के जिला कार्यकारिणी सदस्य सिद्धार्थ पंड्या ने बताया कि शुक्रवार शाम 5.30 बजे हिंदू समाज के युवाओं को जानकारी मिली थी कि लव जिहाद जैसा कार्य दो बत्ती स्थित एक जूस सेंटर पर चल रहा है। जाकर देखा तो दो मुस्लिम लड़के और तीन नाबालिग लड़कियां वहां पर मिले। पूछताछ करने पर लव जिहाद जैसा विषय लगा। थाने पर हिंदू समाज के लोगों ने कहा कि बच्चियां नाबालिग हैं, हम नहीं चाहते किसी की बच्चियों की बदनामी हो। वर्तमान में जो चल रहा है यह दो लड़के या इनकी कोई चैन हो तो पुलिस प्रशासन इसकी गहराई से जांच करे। ताकि सारी हकीकत सामने आ सके।

मंदसौर को जल्द मिलेगा हाईड्रो पावर संयंत्र

मालवा-निमाड़ के चौदह जिलों में शामिल

मंदसौर, 05 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के आदिवासी बाहुल इलाके मालवा और निमाड़ के 33,000 घरों से जल्द ही अंधेरा गायब हो जाएगा। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नयन ग्राम अभियान के तहत इन घरों को बिजली कनेक्शन देने के लिए 179 करोड़ रुपए की स्वीकृति दे दी है। यह योजना 14 जिलों में लागू की जाएगी। ये वे घर हैं जहां आज भी बिजली की सुविधा नहीं है। गांव के गांव अंधेरे में डूबे हैं। इस योजना में मंदसौर भी शामिल है।

बिजली विभाग ने की तैयारी

बिजली विभाग के मुताबिक इस अभियान के तहत करीब 2 लाख 423 किलोमीटर ट्रंक लाइन बिछाई जाएगी। 1300 किलोमीटर 11 केवी लाइन और 2000 से अधिक ट्रांसफार्मर लगाए जाने की तैयारी है। यह योजना ने केवल बिजली की सुविधा उपलब्ध कराएगी बल्कि दूरस्थ क्षेत्रों में स्कूल, स्वास्थ्य केंद्रऔर छोटे उद्योगों को भी बढ़ावा देगी।

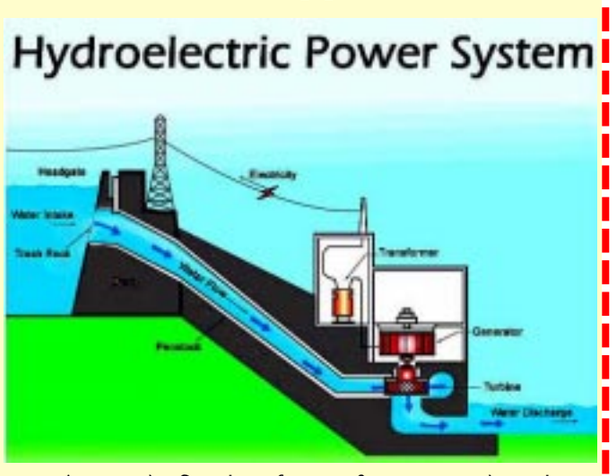

किन जिलों को मिलेगा इसका लाभ...

इस योजना का फायदा मध्य प्रदेश के मालवा-निमाड के 14 जिलों को मिलेगा। इनमें धार, झाबुआ, बडवानी, आलीराजपुर, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, रतलाम, नीमच, मंदसौर आदि शामिल हैं। इन जिलों में जो इलाके आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में आते हैं, उन्हें इसका लाभ मिलेगा। इस योजना के माध्यम से सरकार का उद्देश्य हर घर बिजली, हर गांव रोशन योजना का लक्ष्य पूरा करना है। इससे शिक्षा, सेहत और जीवन स्तर के क्षेत्र में बड़ा बदलाव होगा। कुल मिलाकर कह सकते हैं कि यह योजना हर परिवार के सपनों को एक नई उड़ान देने वाली साबित होगी।

विचार-मंथन

भारत पर दबाव की नीति से काम कर रहे ट्रंप

पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह अलग-अलग देशों पर शुल्क लगाने की बात कर रहे थे, उसे कई अर्थों में दबाव की रणनीति माना जा रहा था। मगर इस मसले पर अब उन्होंने जिस तरह के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं, उससे साफ है कि मनमाने तरीके से शुल्क लगाने के फैसले का इस्तेमाल किसी देश की नीति को प्रभावित करने के लिए एक औजार के तौर पर किया जा रहा है। इस क्रम में ट्रंप बीते दिनों बार-बार यह कहते रहे कि वे भारत से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर भारी शुल्क लगाएंगे। मगर उनके बयानों में जैसे उतार-चढ़ाव देखे गए, उसके मद्देनजर यह उम्मीद की जा रही थी कि वे अपनी जिद पर विचार करेंगे और भारत को लेकर उदार रुख अपनाएंगे। खासतौर पर इसलिए भी कि बीते कुछ वर्षों के दौरान भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों के नए दरवाजे खुले थे और थोड़ी सक्रियता बढ़ी थी। गौरतलब है कि व्यापार वार्ता के संदर्भ में अमेरिका और भारत के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के संकेत सामने आने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर एक अगस्त से पच्चीस फीसद शुल्क और रूस से तेल खरीदने पर जुर्माना लगाने की घोषणा कर दी। हालांकि यह कोई अचानक हुआ फैसला नहीं लगता है और ट्रंप ने इस बार सत्ता में आने के बाद से ही आयात पर शुल्क लगाने की घोषणाओं पर कुछ जगहों पर अमल करना शुरू कर दिया है। मसलन, कनाडा पर ट्रंप ने पैंतीस फीसद शुल्क लगाने की घोषणा कर दी थी, जबकि उस समय व्यापार वार्ता जारी थी और एक समझौता होने की उम्मीद थी। भारत पर भी पच्चीस फीसद शुल्क तब लगाने की बात कही गई, जब अमेरिका के साथ द्विपक्षीय अंतरिम व्यापार समझौते

को लेकर अंतिम दौर की कोशिशें जारी थीं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के वार्ताकारों का एक समूह पच्चीस अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है जो प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर में हिस्सा लेगा। सवाल है कि व्यापार वार्ता के प्रयास जारी रहने और उसके निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति को शुल्क लगाने की घोषणा करने की जल्दबाजी करने की जरूरत क्यों लगी। क्या इस फैसले को व्यापार वार्ता में अपने हित में नीतिगत फैसले लेने के लिए दबाव बनाने की रणनीति नहीं माना जाएगा? एक दलील यह दी गई है कि भारत का शुल्क बहुत ज्यादा रहा है, इसलिए अमेरिका ने इसके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है। अगर ऐसा है तो इस मसले पर पहले बातचीत के जरिए दोनों पक्षों के बीच सहमति के बिंदुओं तक पहुंचने की जरूरत थी, न कि सीधे भारी शुल्क लगाने की घोषणा के जरिए दबाव बनाने की। फिर इसी बीच पाकिस्तान के साथ मिल कर अमेरिका के 'तेल भंडारों को विकसित करने' के सौदे की खबर के क्या मायने हो सकते हैं? भारत ने हाल के वर्षों में अपने निर्यात के पक्ष को जिस तरह मजबूत किया है, उसमें इस तरह के अमेरिकी दबाव क्या व्यापार में सहयोग के बजाय एक प्रतिद्वंद्विता की बिसात बिछाने की कोशिश नहीं हैं? यों सवाल यह भी है कि क्या भारत की ओर से समय रहते इस मसले को सुलझाने की कोशिश नहीं की गई या फिर जरूरी रणनीति को तवज्जो नहीं दिया गया। हालांकि माना जा रहा है कि ट्रंप की ताजा घोषणा से कुछ अन्य देशों के मुकाबले भारत पर कम असर पड़ेगा, लेकिन इस एकतरफा फैसले के बाद द्विपक्षीय संबंधों में थोड़ी शिथिलता जरूर आ सकती है।

हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता...

राकेश सैन

आपरेशन सिन्दूर पर संसद में हुई चर्चा में हिस्सा लेते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने राज्यसभा में कहा कि 'मैं गर्व से कह सकता हूं कि कोई भी हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता।' गृहमंत्री ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए उसने भगवा आतंकवाद का झूठा सिद्धान्त बनाया। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन भारत की जनता ने इस झूठ को नकार दिया। शाह के इस ब्यान के बाद चर्चा छिड़ी है कि उन्होंने आखिर ऐसा दावा कैसे कर दिया कि हिन्दू कभी आतंकी नहीं हो सकता? पूछा जा रहा है कि उन्होंने भावावेश में आकर अतकथनी कर दी या हिन्दू अस्मिता के प्रेम में फंस कर ये दावा कर दिया? अमित शाह का उक्त कथन उन लोगों के तो गले बिल्कुल नहीं उतर रहा जो अभी तक इसी विमर्श को पल्लवित-पोषित करते आ रहे हैं कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता', तो फिर कैसे हिन्दुओं को इस मामले में एकतरफा चरित्र प्रमाणपत्र दिया जा रहा है? निष्पक्ष हो कर अमित शाह के ब्यान को जांचा-परखा जाए तो सामने आता है कि इसमें न तो अतिरंजना है न मनोवेश या अतिश्योक्ति, बल्कि यह ऐतिहासिक सत्य, भारत-भूमि पर पनपा प्रमाणिक हिमालयी तथ्य है कि हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। आओ सबसे पहले जानें कि आतंकवाद आता कहां से है, इसका वीर्य क्या है? असल में विश्व में ईश्वर को लेकर दो तरह की अवधारणाएं या मार्ग हैं, एक सनातन व दूसरा सेमेस्टिक या सामी। सभी मार्ग सम्मानित हैं, पर इनमें मौलिक अन्तर हैं। सेमेस्टिक मजहब में ईश्वर का एक निश्चित संदेशवाहक या पैगम्बर या दूत, एक ही धर्म ग्रन्थ रहता है-जैसे इस्लाम, ईसाई व यहूदी मजहब। उक्त सभी मजहब अपने-अपने पैगम्बर को ईश्वर का अंतिम दूत और अपने-अपने धर्म ग्रन्थों में वर्णित बातों को ही ईश्वर का अंतिम सन्देश मानते

हैं। सामी मजहब वाले केवल ऐसा मानते ही नहीं बल्कि अपने पैगम्बर व ग्रन्थों की बातों को दूसरे से श्रेष्ठ मानते हुए उन पर थोपने का प्रयास भी करते हैं। धीरे-धीरे इनके अनुयायियों में श्रेष्ठता की यही ग्रन्थी केवल मजहबी उन्माद तक ही सीमित नहीं रहती बल्कि रहन-सहन, खान-पीन, भाषा-वाणी अर्थात जीवन के हर क्षेत्र को संक्रमित कर देती है। दूसरे को हीन समझ उस पर अपने विचार व आस्था लादने के लिए कोई क्रूसेड करता है तो कोई जिहाद। दुनिया में ईसाईयत व इस्लाम के नाम पर जो अत्याचार, हिंसा, खूनखराबा हुआ सभी इसी श्रेष्ठा की ग्रन्थी के संक्रमण के चलते हुआ। दूसरे की आस्था के प्रति असम्मान, हिकारत, तिरस्कार में ही आतंकवाद के बीज छिपे रहते हैं। मध्ययुग में ईसाईयत के नाम पर आतंकवाद फैला परन्तु पश्चिमी समाज में आई नवचेतना के चलते इसने रूप बदल कर सेवा व लालच का ले लिया परन्तु इस्लाम के प्रचार-प्रसार का अमानवीय ढंग निरंतर जारी रहा, जिसे आज इस्लामिक आतंकवाद कहा जाने लगा है। आज ईसाई मिशनरीज सेवा व लालच के बल पर धर्मपरिवर्तन करते हैं और जिहादी बंदूक की नोक पर, दोनों का लक्ष्य एक ही है कि अपने-अपने मजहबों की संख्या बढ़ाना चाहे साधन अलग-अलग हैं। इस्लामिक जिहाद की तरह अगर ईसाईयों की सेवा व प्रलोभन के प्रपंचों को भी आतंकवाद का नाम दे दिया जाए तो कोई विषयभटकाव नहीं होगा। सामी मजहबों के विपरीत दूसरी विचारधारा है सनातन, जिसे हिन्दू धर्म भी कहते हैं। 'श्री अरविन्द की दृष्टि में हिन्दू धर्म और सामी मजहब' पुस्तक में महर्षि अरविन्द कहते हैं- ''जिस धार्मिक संस्कृति को हम आज हिन्दू धर्म के नाम से पुकारते हैं उसने अपना कोई नाम नहीं रखा, क्योंकि उसने स्वयं अपनी कोई साम्प्रदायिक सीमा नहीं बांधी। उसने सारे संसार को अपना अनुयायी बनाने का कोई दावा नहीं किया, किसी एकमात्र निर्दोष सिद्धांत की प्रस्थापना नहीं की, मुक्ति का कोई एक ही संकीर्ण पथ या द्वार निश्चित नहीं किया। वह कोई मत या पन्थ की अपेक्षा कहीं अधिक मानवआत्मा के ईश्वरोन्मुख प्रयास की एक सतत् विकासशील परम्परा है।'' सनातन का विचार है 'एकम सत विप्रा बहुधा वदन्ति' अर्थात सत्य एक है जिसे विद्वान उसे विभिन्न नामों से बुलाते हैं। 'अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम।। अर्थात तेरे-मेरे की भावना छोटे मन का प्रतीक है, उदारचित्त वालों के लिए तो सारी पृथ्वी ही एक परिवार है। सनातन धर्म मानता है तेरा धर्म तुझे मुबारक और मेरी आस्था मुझे। दोनों की मार्ग श्रेष्ठ हैं। मार्ग अलग-अलग हैं परन्तु सभी की मंजिल एक है, जैसे सभी नदियां अंततः एक समुद्र में विलीन हो जाती हैं उसी तरह सभी पथ उसी एक मंजिल पर ही मिलते हैं। यही भावना है जो हिन्दू को आतंकवादी बनने से रोकती है। इतिहास साक्षी है कभी भारत ने तलवार के जोर पर न तो किसी के भू-भाग को कब्जाया और न ही दूसरे पर अपना धर्म या विचार थोपा। इसी सर्वसमावेशी व सर्वपन्थ समादर भाव वाली जीवन शैली के आधार पर ही अमित शाह ने राज्यसभा में डंके की चोट पर दावा किया कि हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। केवल आस्था ही क्यों, हिन्दू ने तो कभी नास्तिक या अनिश्वरवादियों को भी नहीं दुत्कारा। महर्षि चारवाक ईश्वरवाद के उलट और पूर्णतः भौतिकवादी थे। वेदों के बारे उनके विचार नकारात्मक थे परन्तु हिन्दू समाज ने उन्हें भी महर्षि की उपाधि दी। जबकि सेमेस्टिक मजहबों में नास्तिकों को 'नोन-बिलीवर या काफिर' कह कर दण्डित करने का प्रचलन है। सनातन समाज ने कभी अपने आप को किसी देव विशेष, ग्रन्थ विशेष या व्यक्ति विशेष से नहीं बांधा बल्कि सत्य की यात्रा को अनवरत बताया। हमारी परम्परा में देह वासना और लोकवासना की भान्ति देववासना व शास्त्र वासना को भी मुक्ति मार्ग की बाधा बताया गया है। इसी तरह की अनेक विशेषताएं हैं जो सत्य सनातन धर्म के मानने वाले अनुयायी को संकीर्ण, कट्टर व आततायी होने की अनुमति नहीं देती।

बाजारवाद ने समाज को एक यांत्रिक मशीन में बदल दिया है

राजेंद्र मोहन शर्मा

मनुष्य, जो कभी अपनी सृजनात्मक शक्ति के लिए जाना जाता था, आज संक्षुब्ध और अविश्राम का रोगी बनकर एक परिधि-पथ पर भटक रहा है। न तीव्रता में सुख है, न शिथिलता में शांति। इस विषमकाल में घायल मन आखिर किस द्वार पर दस्तक दे? सृजनशीलता मानवता की आत्मा है। यह वह शक्ति है, जो हमें केवल जीवित प्राणी से अधिक बनाती है। हमें मानव बनाती है। कला, साहित्य, संगीत और विचारों का सृजन वह प्रकाश है, जो समाज को दिशा देता है। मगर बाजारवाद ने इस सृजनशीलता को एक यांत्रिक प्रक्रिया में बदल दिया है। कला, जो कभी हृदय को झंकृत करती थी, अब केवल बाजार की मांगों का उत्पाद बन गई है। जो सृजन तात्कालिक लाभ न दे, उसे उपेक्षा की धूल में दफन कर दिया जाता है। सृजनशील मन, जो समाज की नब्ज को थामता था, अब दुत्कारा जाता है। उसकी आवाज, जो कभी क्रांति का आलम लिए थी, अब भीड़ के शोर में खो जाती है। बाजारवाद ने समाज को एक यांत्रिक मशीन में बदल दिया है। रिश्ते, जो कभी प्रेम और विश्वास की डोर से बंधे थे, अब अतुकांत हो चले हैं- बिना लय, बिना अर्थ। केवल 'अर्थ' ही बचा है, वह कठोर धन का अर्थ, जो हर मूल्य को व्यर्थ कर देता है। लोग एक-दूसरे को उपयोगिता की कसौटी पर कसते हैं। 'इस्तेमाल करो और फेंको' की उपभोक्तावादी संस्कृति ने मानवता को नष्ट कर दिया है। इस प्रक्रिया में सृजनशीलता सबसे अधिक घायल हुई है। कला, जो कभी समाज को दिशा दिखाती थी, अब केवल मनोरंजन का साधन बनकर रह गई है। साहित्य, जो कभी विचारों को जन्म देता था, अब बिक्री के आंकड़ों का गुलाम है। संगीत, जो कभी आत्मा को शांति देता था, अब केवल प्रचार पाने के चलन का हिस्सा है। आज के समाज में सृजनशीलता का ह्रास स्पष्ट दिखाई देता है। जो सोशल मीडिया सृजन का मंच हो सकता था, उसने इसे और अधिक सीमित कर दिया। लोग अब सृजनशीलता को पसंदगी की चटके और शेयर की संख्या से मापते हैं। एक कविता की गहराई, चित्र की भावना, या कहानी का संदेश अब केवल उसकी 'वायरल' होने की क्षमता पर निर्भर करता है। यह बाजारवाद का वह जाल है, जो सृजनशीलता को न केवल सीमित करता है, बल्कि उसे एक खोखले उत्पाद में बदल देता है। सृजनशील व्यक्तियों को अब

अपनी कला को बाजार की मांगों के अनुरूप ढालना पड़ता है, जिससे उनकी मौलिकता और स्वतंत्रता नष्ट हो रही है। फिर भी, इस घने अंधेरे में एक आलोक बाकी है। जब यह अंधी दौड़ थकान में बदल जाएगी, जब मनुष्य का मन इस खोखलेपन से त्रस्त हो उठेगा, तब वह फिर सृजन की ओर लौटेगा। वह उन मधुर स्वरों की खोज में जाएगा, जो कभी उसके हृदय को स्पर्श करते थे। सृजनशीलता केवल कला या साहित्य तक सीमित नहीं है। एक शिक्षक, जो अपने विद्यार्थियों में जिज्ञासा जगाता है, एक वैज्ञानिक, जो नई खोज करता है, या एक सामान्य व्यक्ति, जो अपने छोटे-छोटे कार्यों में रचनात्मकता लाता है- ये सभी सृजनशीलता के प्रतीक हैं। लेकिन बाजारवाद ने इस व्यापक सृजनशीलता को भी प्रभावित किया है। शिक्षा अब डिग्रियों की दौड़ बन गई है, जहां रटने की प्रक्रिया ने सृजनात्मक चिंतन को दबा दिया है। विज्ञान, जो कभी मानवता की सेवा के लिए था, अब कारपोरेट हितों का गुलाम है। यहां तक कि सामाजिक कार्य, जो सृजनशील समाधानों की मांग करता है, अब केवल दिखावे का हिस्सा बन गया है। इस संकट से उबरने का रास्ता सृजनशीलता में ही निहित है। हमें कला, साहित्य और संगीत जैसे माध्यमों को फिर से सृजन का साधन बनाना होगा। स्कूलों में बच्चों को रटने की बजाय सृजनात्मक चिंतन सिखाना होगा। समाज को उन सृजनशील आत्माओं को प्रोत्साहित करना होगा, जो बाजार की मांगों से परे जाकर कुछ नया, कुछ मौलिक रचते हैं। हमें यह समझना होगा कि सृजनशीलता ही वह शक्ति है, जो हमें इस यांत्रिकता से ऊपर उठाती है। जब हम किसी दुखियारे के आंसू पोंछते हैं, जब हम किसी के दर्द में हिस्सा बंटाते हैं, तब हम सृजनशीलता के साथ मानवता का फिर से सृजन करते हैं। सृजनशीलता वह पुल है, जो हृदय से हृदय को जोड़ता है। यह वह ज्योति है, जो बाजार की चमक के बीच भी बुझती नहीं। आज का समाज एक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर बाजार की चमक है, जो सृजनशीलता को दबाती है, तो दूसरी ओर वह सृजनशील शक्ति है।

बड़े भूकंप के लिए हम कितने तैयार

बुधवार की सुबह रूस में आए 8.8 तीव्रता के भूकंप ने उन तमाम देशों में खौफ पैदा कर दिया है, जहां अक्सर जलजले आते रहते हैं। तीव्रता के लिहाज से यह शीर्ष दस भूकंपों में एक था। इससे उत्तरी प्रशांत क्षेत्र में सुनामी की तेज लहरें उठीं, जिनके कारण जापान, अलास्का, हवाई, न्यूजीलैंड तक को चेतावनी जारी करनी पड़ी और लाखों लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर भेजना पड़ा। हालांकि 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा होने के कारण यह इलाका भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में एक है, पर 8.8 की तीव्रता ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। इसने 2004 की उस सुनामी की याद ताजा कर दी, जिसने 14 देशों में 2.27 लाख लोगों की जान ले ली थी। भारत में भी तब हजारों जिंदगियां हिंद महासागर की तेज लहरों में समा गई थीं। जिस तरह अभी प्रशांत महासागर में फॉल्टलाइन टूटी है, उस वक्त हिंद महासागर में भी ऐसा ही हुआ था। नतीजतन, पानी की ऊंची लहरें उठने लगीं। दरअसल, सुनामी इसलिए पैदा होती है, क्योंकि समुद्र में भूकंप आने के कारण पानी धरती में समाता है और फिर समान ताकत से ऊपर की ओर उठता है। इस तरह पैदा होने वाली लहरें धीरे-धीरे तट की ओर बढ़ती हैं और उनकी ऊंचाई भी बढ़ती जाती है। ये दस मीटर तक ऊंची उठ सकती हैं। ऐसे में, जहां-जहां का बुनियादी ढांचा कमजोर होता है, वहां-वहां भारी नुकसान होता है। सवाल है कि 2004 की सुनामी से हमने क्या सीखा? असल में, जब यह आपदा आई थी, तब हम एक तरह से इससे अनभिज्ञ थे। यहां तक कि धरती में जल समाने के कारण जब चेन्नई में समुद्र तट पर पानी तेजी से घटा, तो लोग उत्सुकतावश यह देखने के लिए रुके रहे कि कहीं सागर सूख तो नहीं रहा! चेन्नई के मछुआरों ने भी बाद में कहा कि उन्होंने कभी पानी का ऐसा सैलाब नहीं देखा था। चूंकि हमारे पास समय-पूर्व चेतावनी प्रणाली नहीं थी, तो हमें सुनामी से बचने का जरूरी वक्त भी नहीं मिल सका था। उस वक्त पोर्ट ब्लेयर से जरूर यह खबर दी गई थी कि पानी का स्तर बढ़ रहा है, लेकिन जब तक हालात समझे जाते, समय निकल चुका था और सुनामी चेन्नई तक पहुंच चुकी थी। मगर अब हमने चेतावनी प्रणाली का वैश्विक स्तर का नेटवर्क बना लिया है। हैदराबाद में इससे संबंधित केंद्र स्थापित है। तमाम देशों के साथ समझौता भी किया जा चुका है। यानी, सुनामी से बचाव की पूरी व्यवस्था हमने कर ली है। मगर क्या भूकंप के मामले में भी हम यह कह सकते हैं? निस्संदेह, हमने अपनी निगरानी व्यवस्था बेहतर बना ली है और चंद मिनटों में यह बता पाने में अब हम सक्षम हैं कि भूकंप का केंद्र आखिर था कहां? इतना ही नहीं, 2004 में आपदा प्रबंधन अधिनियम पारित करके पहली बार 'प्री-डिजास्टर मैनेजमेंट' यानी आपदा जोखिम पर ध्यान दिया। अमूमन तब तक होता यही था कि भूकंप के बाद राहत-कार्यों पर हमारा जोर रहता था, लेकिन इस अधिनियम में भूकंप से होने वाले नुकसान से बचने के लिए पूर्व-तैयारी, यानी शमन पर जोर दिया गया है। इसमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत बताई गई कि इमारतों को भूकंपरोधी और स्थान-विशेष की भूकंपीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए भवन-निर्माण कोड के अनुसार बनाया जाना चाहिए, ताकि होने वाले नुकसान से बचा जा सके। ऐसा इसलिए, क्योंकि इमारतें ही जान लेती हैं, भूकंप नहीं। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) का गठन भी किया गया, ताकि राहत-कार्यों में देरी न हो। मगर आपदा-जोखिम के मोर्चे पर जिस तरह की तैयारी की व्यवस्था इस कानून से की गई थी।

नवाचार के रूप में देवपुत्र ऑनलाइन प्रतियोगिता का श्री गणेश

मंदसौर जिले से 615 भैया-बहिनों ने उत्साह से लिया भाग, दस शीर्ष हुए सम्मानित

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। ग्राम भारती जिला मंदसौर द्वारा संचालित जिले के समस्त सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों में नवाचार के रूप में इंदौर से प्रकाशित सचित्र प्रेरक बाल मासिक देवपुत्र पत्रिका की ऑनलाइन प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। यह प्रतियोगिता प्रति माह की अंतिम तिथि को आयोजित की जाएगी। जिसमें 10 प्रतिभागी सम्मानित होंगे।

31 जुलाई को देवपुत्र के पिछले अंक की ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें जिले भर से 615 भैया/बहिनों ने ऑनलाइन लिंक के माध्यम से बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस प्रतियोगिता में पूरे जिले से शीर्ष दस भैया/बहिन गुंजन सिंह कचनारा, प्रज्ञा धाकड़ एरा, दीपिका डाबी सुंठी, पायल बड़वन, श्रद्धा पाटीदार शक्करखेड़ी, अरविंद मकवाना कचनारा, लेहर जायसवाल गुराडिया देदा, हितेश गुर्जर गुर्जर बरडिया, भूमिका पाटीदार रावटी, पूर्वा कुंवर धारियाखेड़ी को विद्यालयों द्वारा पुरस्कृत किया गया। वर्ष के अंत में प्रत्येक माह के शीर्ष दस भैया बहिनों को जिला स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। इस ऑनलाइन प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता और अभिव्यक्ति का विकास करना है। इस नवाचार का क्रियान्वयन मंदसौर जिला प्रमुख महेश विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में देवपुत्र जिला संयोजक ओमप्रकाश शर्मा, कालू सिंह एवं लखन सिंह द्वारा किया गया। ऑनलाइन प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले समस्त भैया बहिनों को ग्राम भारती जिला मंदसौर के अध्यक्ष श्री प्रभुलाल धनौरा, उपाध्यक्ष श्री रविन्द्र पाण्डेय, सचिव गजेंद्र सिंह राठौड़ एवं श्री सागरमल मेहता कोषाध्यक्ष तहसील प्रमुख द्वारा उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की गई।

पिपलिया मंडी में लहसुन सहित अन्य जिंसों के भावों में उतार-चढ़ाव, मसूर और अलसी में दिखी मजबूती

पिपलियामंडी, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को पिपलिया कृषि उपज मंडी में विभिन्न जिंसों के भावों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कुछ जिंसों में अच्छी तेजी रही, तो वहीं कुछ उपज औसत स्तर पर ही बिकती नजर आई। मंडी में किसानों की अच्छी आवक रही, जिससे खरीदी-बिक्री में रौनक बनी रही। गेंहू के भाव 2300 से 2833 प्रति क्विंटल के बीच रहे। गेंहू की आवक औसत रही और भावों में कोई खास तेजी नहीं देखी गई। चना देशी के भाव 5181 से 6025 प्रति क्विंटल के बीच रहे। चने की मांग बनी हुई है, लेकिन खरीदार थोड़े सतर्क नजर आए। मसूर के भाव 6500 से 7000 प्रति क्विंटल तक दर्ज किए गए। इस जिंस में लगातार मांग बनी हुई है, जिससे भाव में मजबूती देखी जा रही है। वहीं अलसी के भाव 6700 से 7810 प्रति क्विंटल तक पहुंचे। यह आज के दिन की सबसे महंगी बिकने वाली फसलों में शामिल रही। सोयाबीन के भाव 2200 से 4780 प्रति क्विंटल रहे। पहले के मुकाबले इसमें थोड़ा सुधार देखा गया, लेकिन भाव अब भी किसानों की उम्मीदों से नीचे हैं। लहसुन की कीमतों में काफी अंतर देखने को मिला। यह 1000 से 10100 प्रति क्विंटल तक बिका। अच्छी गुणवत्ता वाला लहसुन ऊंचे भाव पर बिका, जबकि कमजोर किस्म का लहसुन न्यूनतम दामों पर ही सिमट गया। जौ के भाव 2386 प्रति क्विंटल रहे, जबकि मैथी 4100 से 4850 प्रति क्विंटल तक बिकी। इन दोनों जिंसों में कोई विशेष उथल-पुथल नहीं रही और व्यापार सामान्य गति से चलता रहा। कुल मिलाकर मंडी में मसूर और अलसी जैसे जिंसों में मजबूती नजर आई, जबकि लहसुन में गुणवत्ता के आधार पर बड़ा अंतर देखने को मिला। व्यापारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में मानसून की स्थिति और बाजार की मांग के अनुसार भावों में और बदलाव संभव है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे बाजार की चाल पर नजर रखते हुए ही उपज की बिक्री करें, जिससे उन्हें उचित लाभ प्राप्त हो सके।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5679

1		8			6	4		
		6		9		8		7
5								
2	6	9	5				8	
			4		9			
	8				2	7	9	1
								5
6		4		7		2		
		1	2			9		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5678

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5679

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1941 को इस भारतीय [illegible] वाले पत्रकार ने जन्म लिया था (5)
5. यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर है जिसकी स्थापना 12 जून 1829 को हुई थी (2)
6. मास, महीना, तीस दिनों का समय (2)
7. काजल लगा हुआ, अंजनयुक्त (4)
9. शास्त्रीय संगीत में प्रारम्भ स्वर सूचक शब्द (1)
10. झुका हुआ, प्रणाम करता हुआ (2)
12. बहादुर, शूरवीर, योद्धा (2)
15. संतान, वंशज (3)
17. वह जो ब्राह्मणों से अपने धार्मिक कृत्य करवाता है (4)
19. झूले की पेंग, झूलने का भाव, तरंग (3)
20. रूप या अस्तित्व प्रदान होना (3)
22. अपनी इच्छानुसार काम करने वाला (4)
25. महाभारत के अनुसार यह दुर्योधन का मंत्री था (3)
26. मुस्लिम पद्धति से विवाह करवाने वाला (2)

ऊपर से नीचे

1. जो मनुष्य के योग्य न हो, क्रूर (5)
2. आत्मा, जान, प्राण-वायु (2)
3. सफलता, सुख-भोग, मनोरथ (2)
4. कारण (अंग्रेजी)(3)
5. [illegible] पानी, [illegible] (2)
8. कबीर नाविक यह नाविक की अंतिम फिल्म थी जिसमें प्रदीप कुमार और फिरोजखान भी थे (6)
11. [illegible] बजाने वाला, [illegible] (3)
13. इस्लामी सातवां महीना (3)
14. कब्जा करना, [illegible] करना (3)
16. [illegible], [illegible], उर्दू का एक अक्षर (2)
18. किसी की प्रतिष्ठा या इज्जत को हानि पहुंचाना (4)
21. प्रसिद्ध, ख्याति, नाम होना (2)
22. सत्ताइस नक्षत्रों में [illegible] जो शिशुमार से लगा हुआ है (2)
23. अखबार, [illegible] (2)
24. बड़ी बहन के लिए एक संबोधन, दीदी (2)

वर्ग पहेली 5678 का हल

जनसेवा को समर्पित योजनाओं और संवाद से सजी प्रेस से मिलिए गोष्ठी सम्पन्न

तीन वर्षीय कार्यकाल पर जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा बोले – हितग्राहियों को मुस्कान के साथ समाधान दिलाना मेरी प्राथमिकता रही

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिला प्रेस क्लब द्वारा बंजारी बालाजी परिसर में आयोजित प्रेस से मिलिए कार्यक्रम जनसेवा, संवाद और योजनाओं की समीक्षा का सशक्त मंच बना।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित जनपद पंचायत मंदसौर के अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा ने जनपद के माध्यम से जनसेवा के क्षेत्र में अपनी तीन वर्षों की कार्ययात्रा साझा करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर और बिना परेशानी के दिलवाए। श्री शर्मा ने कहा, मेरे कार्यकाल की प्राथमिकता यही रही कि जनप्रतिनिधि और योजनाएं आमजन की सीधी पहुँच में हों। लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि वे समाधान की मुस्कान के साथ लौटें,यही प्रयास रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आयुष्मान भारत योजना को ग्राम स्तर तक प्रभावी रूप से पहुँचाने के लिए सरपंच और सचिवों के समन्वय से काम किया गया, जिसके परिणामस्वरूप मंदसौर जनपद प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। जनभागीदारी मॉडल के माध्यम से गरीब कन्याओं के विवाह संपन्न कराए गए,

प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, खेत सड़कयोजना, अमृत सरोवर, जलगंगा संरक्षण, डग आउट पोंड, कूप रिचार्ज, मनरेगा और सीमेंट कांक्रीट सड़कों जैसी योजनाओं के जरिए जनहित का व्यापक कार्य किया गया।

जनपद अध्यक्ष ने बताया कि जिले की 124 ग्राम पंचायतों में कुल 28154 पंजीकृत श्रमिकों के लिए 9174 विकास कार्य स्वीकृत हुए, जिनमें से 2668 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा शेष 4778 कार्य प्रगति पर हैं। इन कार्यों पर कुल 8159.92 लाख की राशि स्वीकृत हुई है। श्री शर्मा ने कहा कि खेत तालाब निर्माण, माँ की बगिया और नंदन फलोद्यान परियोजना के माध्यम से ग्रामीण युवाओं और किसानों को स्वरोजगार और अतिरिक्त आमदनी का अवसर मिला। अमरूद, संतरा, नींबू और सहजन जैसे आर्थिक फसलों के वृक्षारोपण से बाजार से सीधा जुड़ाव संभव हो रहा है। रोजगार सृजन के लिए सिलाई केंद्र, दीदी कैफे और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया गया है। एक बगिया माँ के नाम योजना के माध्यम से कई महिलाओं को रोजगार से जोड़ा गया। बंजारी बालाजी जनसेवा न्यास के माध्यम से बच्चों को शिक्षा से जोड़ा गया। उन्होंने बताया कि जल संवर्धन को दृष्टिगत रखते हुए 176 डग आउट पोंड और 1042 कूप रिचार्ज कार्य पूर्ण किए गए, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि हुई है। अमृत सरोवर योजना अंतर्गत जिले में दस जलाशयों का निर्माण हुआ। पुराने बावड़ियों के जीर्णोद्धार और बिना मुंडेर वाले कुओं पर सुरक्षात्मक निर्माण कराया गया है।साथ ही अमृत सरोवर योजना, जलगंगा संवर्धन, पलासिया स्थित सोमली और तुंबड़ नदी के उद्गम स्थल पर पौधारोपण जैसे कार्यों से जल संरक्षण को बढ़ावा दिया गया है। साफ-सफाई के क्षेत्र में 27 नालों का निर्माण हुआ है, जिससे ग्रामों में जल निकासी की समस्या का समाधान हुआ। वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत 149 स्थलों पर पौधारोपण किया गया है, जिनमें से 90 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। चौकडी बालाजी क्षेत्र में आने वाले दिनों में 650 फलदार पौधे लगाए जाएंगे। खेत सड़क योजना के माध्यम से किसानों को संपर्क मार्गों से जोड़ा गया सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर निगरानी के सवाल पर उन्होंने कहा कि कार्यों की नियमित समीक्षा की जा रही है और सुधार हेतु निर्देश दिए गए हैं। सोलर प्लांटस में किसानों के शोषण की शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है और इस पर प्रभावी कारवाई की जाएगी। मन्दसौर जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष पुष्पराजसिंह राणा ने स्वागत उद्बोधन में प्रेस क्लब की 60 वर्षों की गरिमामयी पत्रकारिता परंपरा का स्मरण करते हुए कहा कि यह मंच प्रशासन, राजनीति, धर्म, संस्कृति और समाज के बीच संवाद का सेतु रहा है। प्रेस से मिलिए जैसे कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों के मध्य सार्थक चर्चा, मूल्यांकन और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बंजारी बालाजी के चित्र पर पूजन-अर्चन के साथ हुई। प्रेस क्लब की और से अध्यक्ष श्री राणा ने जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन प्रेस क्लब के सचिव राहुल सोनी ने किया , आभार कोषाध्यक्ष लोकेश पालीवाल ने माना। आयोजन में प्रेस क्लब के संरक्षक नरेंद्र अग्रवाल,ब्रजेश जोशी, वरिष्ठपत्रकार विक्रम विद्यार्थी, डॉ घनश्याम बटवाल, महावीर अग्रवाल,अशोक झलोया, डॉ प्रितिपालसिंह राणा विकास तिवारी, अभिषेक विद्यार्थी, अनिल जैन, प्रकाश सिसोदिया, मनीष पुरोहित, नरेंद्र धनोतिया, अजय बाड़ोलिया, निलेश त्रिवेदी, आशीष नवाल, शाहिद चौधरी, भारत सिंह तोमर, शैलेंद्र सिसोदिया, किशोर ग्वाला, अशोक परमार, गोविंद, अनिल जोशी, देवेंद्र मोर्य, प्रदीप कारपेंटर, दीपक शर्मा, जितेंद्र शर्मा, चरण राजपाल, नवनीत शर्मा प्रहलाद शर्मा समेत अनेक पत्रकार उपस्थित थे।

अनधिकृत विदेशी नागरिकों को आधार कार्ड जारी करने को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। देश में बड़ी संख्या में अनधिकृत विदेशी नागरिकों को आधार कार्ड जारी किए जा रहे हैं, जिससे उन्हें नागरिकता से जुड़े दस्तावेजों और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच प्राप्त हो रही है इस गंभीर विषय को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया। सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि तृतीय पक्ष विक्रेता जैसे आउटसोर्स आधार नामांकन सेवा केंद्र अनधिकृत/अवैध विदेशी नागरिकों को आधार कार्डजारी करने के लिए प्राथमिक तौर पर उत्तरदायी हैं और और सरकार ने इन तृतीय पक्ष विक्रेताओं को रोकने और देश में नामांकन के आंतरिक मॉडल को

अपनाने के लिए क्या कदम उठाए हैं। उन्होने कहा कि सरकार ने संबंधित प्राधिकरण को अवैध विदेशी नागरिकों/अनधिकृत व्यक्तियों को आधार कार्ड जारी करने में खामियों को दूर करने के लिए मासिक संपरीक्षा करने का निर्देश दिया है और सरकार ने इस संबंध में क्या कदम उठाए हैं।

प्रश्न के जवाब में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि आधार अधिनियम, 2016 के अनुसार, एक व्यक्ति जो पिछले 12 महीनों में 182 दिनों या उससे अधिक की अवधि के लिए भारत में रह रहा है, आधार नामांकन हेतु पात्र है। आवेदक तीन बायोमेट्रिक विशेषताओं चेहरे, फिंगरप्रिंट और आईरिस स्कैन के साथ-साथ जनसांख्यिकीय विवरण जैसे नाम, जन्मतिथि, लिंग और पते के साथ संबंधित दस्तावेजों द्वारा समर्थित आधार के लिए नामांकन कर सकता है। आधार संख्या के लिए नामांकन यूआईडीएआई द्वारा प्राधिकृत पंजीयकों और नामांकन एजेंसियों के नेटवर्क के माध्यम से किया जाता है। इनमें केंद्र और राज्य सरकारों के विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम, अनुसूचित बैंक और अन्य विनियमित संस्थाएं शामिल हैं। आधार नामांकन प्रणाली की समय-समय पर प्रणाली की समीक्षा की जाती है, और प्रक्रिया को सुदृढ़ करने हेतु अपेक्षित नीति और तकनीकी प्रति उपाय किए जाते हैं। उन्होने बताया कि विदेशी नागरिकों के लिए आधार नामांकन केवल नामित आधार नामांकन केंद्रों तक ही सीमित है। विदेशी नागरिकों (नेपाल और भूटान के नागरिकों को छोड़कर) से प्राप्त सभी नामांकन अनुरोध पासपोर्ट और वीजा ब्यौरों के सत्यापन के लिए आप्रवासन ब्यूरो (बीओआई) को अग्रेषित किए जाते हैं। आधार आप्रवासन ब्यूरो (बीओआई) से प्राप्त ब्यौरों के सत्यापन के बाद ही सृजित किया जाता है। नेपाल/भूटान के नागरिकों से प्राप्त सभी वयस्क नामांकन अनुरोध सत्यापन के लिए संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को भेजे जाते हैं। संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्राधिकरणों से पुष्टिप्राप्त होने पर ही आधार सृजित किया जाता है। विदेशी नागरिकों को जारी किया गया आधार केवल उनके वीजा की अवधि तक ही वैध होता है। ओसीआई कार्ड धारकों और नेपाल और भूटान के नागरिकों के संबंध में, आधार दस वर्षों की अवधि के लिए वैध है।विदेशी नागरिकों को जारी किए गए आधार नंबरों की स्पष्ट रूप से पहचान करने के लिए, ऐसे आधार पत्रों और पीवीसी कार्डों पर निवासी के रूप में नामांकित विदेशी वाक्यांश शामिल किया गया है। आसान पहचान की सुविधा के लिए विदेशी नागरिकों को स्पष्ट रूप से अलग आधार कार्ड और पत्र जारी किए जाते हैं।

प्रेस क्लब के सदस्य यशवंत राठोर मनासा विधानसभा क्षेत्र प्रतिनिधि नियुक्त

मनासा, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नगर के रजि. प्रेस क्लब के सदस्य यशवंत राठौर को म. प्र के

रविकरण साहु (कैबिनेट मंत्री दर्जा) प्राप्त म. प्र. तेलंगानी बोर्ड की अनुशंसा पर श्री राठौर मनासा को विधानसभा प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया है।। राठौर प्रेस क्लब के सदस्य के साथ ही विश्व हिन्दू संगठन के सदस्य भी हैं अपने हर कमेन्ट पर हिन्दू राठौर के नाम से ये मशहूर है म. प्र शासन के केबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त रवि करण साहु अध्यक्ष म. प्र शासन तेलंगाना बोर्ड के व्दारा तेलंगाना बोर्ड मध्यप्रदेश शासन बोर्ड के कार्यों र्का विस्तार कर सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में विधानसभा प्रतिनिधियों की नियुक्ति कर रही है ताकि ये सदस्य विधानसभा स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने व समाज के विभिन्न वर्गों र्तक लाभ पहुंचाने को लेकर यशवंत राठौर को मनासा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधि नियुक्त किया है इस नियुक्ति पर नगर के सभी समाज वर्ग ने बधाई दी है।

रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग को लेकर भाजयुमो नेता ने सिंधिया को सौंपा मांग पत्र

पिपलियामंडी, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पिपलिया स्टेशन, मंदसौर, नीमच में रेलवे सुविधाओं के विस्तार की मांग को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता संदीपसिंह राठौड़ ने केंद्रीय रेल मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को मांग पत्र सौंपा। इस मांग पत्र में क्षेत्रीय यात्रियों, व्यापारियों व श्रद्धालुओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई प्रमुख मांगें रखी गई हैं। भाजयुमो प्रदेश सदस्य राठौड़ ने मांग की कि काचीगुड़ा-भगत की कोठी एक्सप्रेस (17605/06) का पिपलिया रेलवे स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि पिपलिया नगर एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र है, विशेषकर लहसुन मंडी के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। यहां से प्रतिदिन सैकड़ों व्यापारी हैदराबाद व दक्षिण भारत के शहरों की यात्रा करते हैं। ऐसे में इस ट्रेन का ठहराव आम यात्रियों को सीधी सुविधा प्रदान करेगा, विशेष रूप से भोपाल और उज्जैन के लिए दिन के समय यात्रा सुगम होगी। इसके साथ ही उन्होंने 11125/26 और 21125/26 भिंड/ग्वालियर-रतलाम एक्सप्रेस को नीमच तक विस्तारित करने की मांग की, जिससे संपूर्ण मालवा क्षेत्र की उत्तरी मध्यप्रदेश से सीधी कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो सके। राठौड़ ने यह भी उल्लेख

किया कि मन्दसौर से कोटा, मथुरा होते हुए नई दिल्ली और हरिद्वार के लिए एक नई रेल सेवा की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि पूर्व में चलने वाली 29019/20 मन्दसौर- मेरठ एक्सप्रेस कोरोना के दौरान बंद कर दी गई, लेकिन उसके स्थान पर अभी तक कोई नई ट्रेन सेवा शुरू नहीं की गई है। इसलिए, 19815/16 और 20451/52 ट्रेनों को जोड़कर मन्दसौर-नई दिल्ली एक्सप्रेस की सेवा प्रारंभ की जाए अथवा नई रेलगाड़ी की भी सुविधा दी जाए। इसके अतिरिक्त, पिपलिया नगरवासियों व श्रद्धालुओं के लिए इंदौर-बीकानेर एक्सप्रेस (19333/34) के पिपलिया स्टेशन पर ठहराव की मांग को भी प्रमुखता से रखा गया। राठौड़ ने बताया कि उक्त टेत्रन को रोकने के लिए खाटू श्यामजी व सालासर बालाजी के श्रद्धालुओं की यह मांग लंबे समय से की जा रही है। राठौड़ ने विश्वास जताया गया कि केन्द्रीय मंत्री सिंधिया जनहित को ध्यान में रखते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेंगे, जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधा प्राप्त हो सकेगी। राठौड़ ने बताया ज्ञापन की प्रति क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को भी भेजी है।

समसामयिक विषय पर निबंध लेखन विचार शक्ति को बढ़ाता है-दास

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। वर्तमान में चल रहे देशों के आपसी युद्ध एवं आतंकवाद पर नियंत्रण हेतु अहिंसा की आवश्यकता पर लिखवाये जा रहे निबंध छात्राओं की स्वतंत्र अभिव्यक्ति एवं विचार शक्ति बढ़ाने हेतु उत्तम प्रतियोगिता है। निबंध के माध्यम से व्यक्त आपके विचार आतंकवाद एवं युद्ध रोकने में कारगर हो सकते है। अत: सभी पात्र छात्राओं को इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिये।

उक्त विचार कन्या उ.मा.वि. बालागंज में आयोजित गणिनी आर्यिका सुभुषणमति माताजी के मार्गदर्शन में 14वीं राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता में सम्मिलित विद्यालय की राष्ट्रीय स्तर पर विजेता छात्राओं को पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर प्राचार्य श्री सुदीप दास ने व्यक्त किये। इस अवसर पर राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता के प्रादेशिक संयोजक जितेन्द्र दोशी ने प्रतियोगिता की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि

इस वर्ष हेतु धार्मिक विषय जल गालन धार्मिक एवं वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में तथा सामान्य विषय युद्ध एवं आतंकवाद पर नियंत्रण हेतु अहिंसा की आवश्यकता दोनो में किसी भी विषय पर पृष्ठ के एक और हस्तलिखित निबंध दिनांक 20 नवम्बर 2025 तक मेरे पास या प्रतियोगिता प्रभारी शैलेन्द्र मिण्डा सर के पास जमा करा दे। स्मरण रहे निबंध पर कही भी अपना नाम या पहचान नहीं बताए। एक अलग कागज पर अपना नाम, पता और सम्पर्क नम्बर लिखे एवं कक्षा 10वीं उत्तीर्ण की अंकसूची की छायाप्रति, दोनों ही निबंध के साथ संलग्न करें। प्रतिवर्षानुसार यह प्रतियोगिता नि:शुल्क होकर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय को क्रमश: 11001, 9001, 7001 नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जावेगा। टॉप 20 को विशिष्टएवं 60 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्तकर्ता को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया जावेगा। श्री दोशी ने कक्षा 11 एवं 12 में अध्ययनरत छात्राओं एवं स्टॉफ सदस्यों को आव्हान करते हुए उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रेरित कर अपने परिचितों को भी इस प्रतियोगिता में सम्मिलित कराने हेतु प्रेरित करें व अधिक जानकारी हेतु मो.नं. 9424098035 पर सम्पर्क करने की बात कही। इस अवसर पर विद्यालय परिवार की उपप्राचार्य प्रीति व्यास, भानालाल कछावा, सुमन वाजपेयी, संगीता पालीवाल, सुधीर माथुर, सुरेन्द्र भावसार, वंदना दुबे, आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संतोष कुमार द्विवेदी ने किया। आभार प्रतियोगिता प्रभारी शैलेन्द्र मिण्डा ने माना।

कन्हैयालाल पुरोहित को मिली नई ज़िम्मेदारी, बने नीमच जिलाध्यक्ष

नीमच, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय निवासी एवं सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता श्री कन्हैयालाल पुरोहित को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय विचार मंच, नई दिल्ली द्वारा जिला अध्यक्ष – नीमच नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुशील कुमार जी सरावगी के अनुमोदन पर की गई है। श्री कन्हैयालाल पुरोहित समाजसेवा के क्षेत्र में वर्षों से सक्रिय हैं और जनहित से जुड़े मुद्दों पर निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनकी कर्मठता, सामाजिक समझ और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए संगठन ने उन्हें आगामी 3 वर्षों के लिए यह दायित्व सौंपा है। इस नियुक्ति पत्र पर दिनांक 30 जुलाई 2025 से प्रभावशील आदेश जारी किया गया है। श्री पुरोहित को बधाई देने वालों का तांता लग गया है। क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं में इस खबर से हर्ष और उत्साह का माहौल है। राष्ट्रीय महामंत्री श्री राहुल जी गोयल ने शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि श्री पुरोहित संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य प्रभावशाली ढंग से करेंगे।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आंतरी के संकुल प्राचार्य द्वारा नई पहल

मनासा, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। तहसील के शासकीय उच्तर माध्यमिक विद्यालय आंतरी के संकुल प्राचार्य श्री युवराज चंदेल द्वारा मातृ हीन एवं पितृ हीन विद्यार्थियों को नवाचार के रूप में गोद लिया। उन विद्यार्थियों को पिता या माता की कमी महसूस ना हो, उनकी शैक्षणिक गतिविधियां निरंतर जारी रहेउन्हें कंपास रजिस्टर पेन फाइल फोल्डर सामान्य ज्ञान किताबें प्रदान की गईसंस्था के पूर्व प्राचार्य एम एस चंद्रावत द्वारा बताया गया कि यह प्राचार्य सर की नई अभिनव नवाचार पहलहैशासकीय उच्तर माध्यमिक विद्यालय अश्रत्री के संकुल प्राचार्य श्री युवराज चंदेल द्वारा मातृ हीनएवं पितृहीन विद्यार्थियों को नवाचार के रूप में गोद लिया उन विद्यार्थियों को पिता या माता की कमी महसूस ना हो उनकी शैक्षणिक गतिविधियां निरंतर जारी रहे उन्हें कंपास रजिस्टर पेन फाइल फोल्डर सामान्य ज्ञान किताब प्रदान की गई इस अवसर पर स्टाफ परिवार ने काफी सराहना की संस्था के पूर्व प्राचार्यएम एस चंद्रावत द्वारा बताया गया कि यह प्राचार्य सर की नई अभिनव पहल है।

उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर की टीम रही प्रथम विजेता

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम भोपाल द्वारा आयोजित जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन लाल बहादुर शास्त्री शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में किया गया। इस प्रतियोगिता के लिए मंदसौर जिले के शासकीय और अशासकीय विद्यालय की 123 टीमों ने पंजीयन करवाया था। जिसमें से 91 टीम प्रतियोगिता में सम्मिलित हुई।

प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी डॉ विनीता प्रधान प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर ने बताया कि यह प्रतियोगिता दो चरणों में संपन्न हुई प्रथम चरण में 91 टीमों के द्वारा 100 प्रश्नों का प्रश्न पत्र हल किया तथा सर्वाधिक अंकों के आधार पर 6 टीमों का चयन किया गया जिसने प्रतियोगिता के द्वितीय राउंड ऑडियो विजुअल राउण्ड में भाग लिया।प्रतियोगिता की क्विज मास्टर श्रीमती कीर्ति सक्सेना ने ऑडियो विजुअल राउंड को संपन्न करवाया।

प्रतियोगिता के द्वितीय राउंड में उत्कृष्ट विद्यालय की टीम ने सर्वाधिक अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्कृष्ट विद्यालय की यह टीम राज्य स्तर पर आयोजित पर्यटन क्विज़ प्रतियोगिता में मंदसौर जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। दूसरे नंबर पर विजेता टीम श्री दलोदा पब्लिक स्कूल दलौदा, तीसरे नंबर पर विजेता टीम श्री साई पब्लिक स्कूल दलौदा रही। उपविजेता टीम क्रमश: शासकीय उत्कृष्ट उचतर माध्यमिक विद्यालय भानपुरा, अंकुर उचतर माध्यमिक विद्यालय दलौदा एवं सुमन उचतर माध्यमिक विद्यालय दलौदा की टीम रही। प्रतियोगिता के अंत में अतिथि द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीम को प्रमाण पत्र तथा पर्यटन विकास निगम द्वारा पर्यटन पर जाने के लिए नि:शुल्क कूपन देकर तथा मेडल पहनाकर सम्मान किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जनपद अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती मनु प्रिया विनित यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रितेश चावला, स्थानिय जनप्रतिनिधि, पर्यटन एवं पुरातत्व विकास विभाग के प्रभारी तथा संयुक्त कलेक्टर श्री चंदरसिंह सोलंकी मौजूद थे।

विद्यार्थी जीवन में जितना अनुशासन आवश्यक है, विश्वविद्यालय में उतनी नियमित उपस्थिति भी जरूरी है-कुलपति कुमार

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विश्वविद्यालय द्वारा नवप्रवेशित प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 1 और 2 अगस्त को दीक्षारंभ 2025 दिवसीय

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक और सामाजिक संरचना से परिचित कराना था, जिससे वे अपने शैक्षणिक जीवन की एक सकारात्मक और संगठित शुरुआत कर सकें। कुलपति प्रो. वी.एस.एस. कुमार ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संबोधन देते हुए कहा कि कहा कि विद्यार्थी जीवन में जितना अनुशासन आवश्यक है विश्वविद्यालय में उतनी ही नियमित उपस्थिति जरूरी है। इस अवसर उन्होंने नैतिक मूल्य और करुणाशीलता के महत्व पर भी बल दिया। अकादमिक कार्य के डीन डॉ. अरुणावा दास ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों, परिणाम आधारित शिक्षा प्रणाली और भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन श्री मनीष वर्मा ने परीक्षा प्रणाली, ग्रेडिंग पैटर्न, न्यूनतम उत्तीर्ण मानदंड और प्रोन्नति से संबंधित नियम समझाए। एंटी-रैगिंग कमेटी के चेयरपर्सन डॉ. पृथ्वीराज राठौर ने रैगिंग के विरुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा की गई कठोर नीतियों और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। डॉ. बी.के. शर्मा ने विद्यार्थियों को डिजिटल पोर्टल के माध्यम से उपस्थिति, स्टडी मैटेरियल, असाइनमेंट, फीस आदि से जुड़े विवरण प्राप्त करने के तरीके समझाए। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. विशाल सोनी ने इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट के अवसरों, करियर लक्ष्य निर्धारण और आवश्यक कौशलों के विकास पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने फाइनेंस और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने की रणनीति साझा की। एमओओसीएस कोऑर्डिनेटर डॉ. मनीष जैन ने ऑनलाइन कोर्स की उपयोगिता, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया और क्रेडिट ट्रांसफर प्रणाली पर प्रकाश डाला। इसके बाद विभागीय परिचय सत्र आयोजित किए गए, जहाँ विभागाध्यक्षों ने विभाग की गतिविधियों, उपलब्धियों और फैकल्टी से छात्रों का परिचय करवाया। मार्गदर्शन सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें वरिष्ठफैकल्टी ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक और व्यक्तिगत चुनौतियों से निपटने के सुझाव दिए।

विधायक मारू के आतिथ्य में पीएम सम्मान निधि वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

नीमच/मनासा, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारु की अध्यक्षता में मनासा में प्रधानमंत्री सम्मान निधि की राशि वितरण का ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम मंडी परिसर मनासा में संपन्न हुआ। विधायक श्री मारू ने प्रतीक स्वरूप किसानों को सम्मामन निधि के प्रमाण पत्र वितरित किए। इस मौके पर काशी(वाराणसी) से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रए मोदीजी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। जिसे उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारी-कर्मचारियों और अधिकारी-कर्मचारियों तथा बड़ी संख्याय में किसानों ने सुना व देखा। इस मौके पर अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा एसडीएम श्री पवन बारिया व अन्य अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित थे।

जिला प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास की पहल

सांसद एवं कलेक्टर ने जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ किया, 170 विद्यार्थियों ने लिया भाग

नीमच, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन नीमच द्वारा कलेक्टुर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले के छात्र-छात्राओं के बौद्धिक विकास की अभिनव पहल की गई है। इसके तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों में शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिला शतरंज संघ एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वांधान में जिला मुख्यालय नीमच के कार्मल कान्वेंट स्कूल में जिला स्त्रीय शतरंज प्रतियोगिता शनिवार को आयोजित की गई। सांसद श्री सुधीर गुप्ता, न.पा.अध्य क्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के आतिथ्य में आयोजित इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 170 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और शतरंज की बिसात पर चाले चली। इसमें 78 जूनियर एवं 92 सब जूनियर वर्ग के विद्यार्थी शामिल है। सांसद श्री सुधीर गुप्ता, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने दो नन्ही छात्राओं के साथ शतरंज की बिसात पर चाले चलकर इस जिला स्तीरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। सांसद श्री गुप्ता व कलेक्टर ने शतरंज खेल रहे विद्यार्थियों की टेबल पर जाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस प्रतियोगिता में नीमच जिले के सभी शासकीय, अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कक्षा 6 से 8 तक के छात्र-छात्रा, सब जूनियर वर्ग एवं कक्षा 9 से 12 तक के छात्र, छात्राओं ने यूनियर वर्ग में भाग लिया। जिला प्रशासन द्वारा सब जूनियर एवं जूनियर वर्ग में प्रथम को 5 हजार रूपये एवं ट्राफी, द्वितीय को 3 हजार रूपये एवं ट्राफी एवं तृतीय को 2 हजार रूपये एवं चतुर्थ को 1500 रूपये तथा बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार 1500/- (दोनो वर्ग में) दो-दो पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने अपने उदबोधन में कहा कि शिक्षा पढाई के साथ ही बौद्धिक विकास के लिए खेलों का काफी महत्व है। यह शतरंज का खेल काफी कुछ सिखाता है। उन्होने छात्र-छात्राओं का आव्हान किया, कि वे अच्छा खेले, खूब पढ़े। सांसद ने इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन की सराहना की। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने अपने उदबोधन में कहा कि खेल के माध्यम से छात्र-छात्राओं के बौद्धिक विकास के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला शतरंज संघ के सहयोग से सभी शासकीय विद्यालयों में शतरंज प्रतियोगिताएं विभिन्न वर्गो में आयोजित की गई। आज 170 से अधिक विद्यार्थी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे है। उन्होने प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि वे शतरंज प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रौशन करेंगे। प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर, कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तदपश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिह सिसोदिया, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एस.एम. मांगरिया, डीपीसी श्री दिलीप व्यास, सांसद प्रतिनिधि श्री आदित्य मालू एवं खेल शिक्षक, जिला शतरंज संघ के पदाधिकारी, सर्वश्री संतोष कोटवानी, नरेन्द्र सोनी, नितिन साहू, भावेश सिहल, अरूण विश्वास, जगदीश बागडिया एवं मनीष कुमावत सहित बडी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	35	2232	2300
उडद	12	3801	5500
सोयाबीन	6664	4001	4820
गेहु	7312	2550	3000
चना	358	5601	6255
मसुर	113	6401	7721
धनिया	228	5791	7300
लहसुन	15000	1952	9000
मैथी	621	3651	6001
मुंगफली	503	4001	4699
अलसी	923	7480	7840
सरसो	182	6273	6974
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	75	7000	10300
प्याज	5296	250	1200
कलौंजी	12	10100	20000
तुलसी बीज	7	8900	13651
डॉलर	71	7680	10000
तिल्ली	185	6567	9800
जौ	30	2200	2426
मटरसुखी	3	3200	3801
असालीया	3	6200	6200
चियाबीज	47	14000	20000

जिलाध्यक्ष खुद को 'नेता की जमात' समझना बंद करें

जिलाध्यक्ष अब न तो ट्रांसफर की सिफारिश करेंगे और न ही मंत्रियों के पास व्यक्तिगत या पारिवारिक काम लेकर जाएंगे

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सत्ता के साथ संगठन में आए संक्रमण और कार्यकर्ताओं में बढ़ती असंतुष्टि को देखते हुए भाजपा ने अब पार्टी के सबसे अहम पद जिलाध्यक्ष के कार्य व्यवहार को कसने का निर्णय लिया है। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि जिलाध्यक्ष अब न तो ट्रांसफर की सिफारिश करेंगे और न ही मंत्रियों के पास व्यक्तिगत या पारिवारिक काम लेकर जाएंगे। पार्टी की इस सख्ती का उद्देश्य संगठन की गरिमा बनाए रखना और कार्यकर्ताओं का विश्वास फिर से हासिल करना है।

नेमीचंद राठौर

भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने हाल ही में जिलाध्यक्षों के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए। शिव प्रकाश ने दो टूक कहा कि यदि कोई कार्यकर्ता यह महसूस करता है कि सांसद या विधायक के करीब रहने वाला ही जिलाध्यक्ष की प्राथमिकता बनता है, जबकि बाकी उपेक्षित रहते हैं, तो यह संगठन के लिए अत्यंत चिंताजनक है। ऐसे मामलों की सीधी जिम्मेदारी जिलाध्यक्ष की होगी। बैठक में जिलाध्यक्षों के लिए 'डू एंड डोंट्स' की गाइडलाइन तैयार की गई है। इसमें मुख्य जोर इस बात पर है कि जिलाध्यक्ष का कार्य प्राथमिक रूप से कार्यकर्ताओं से संवाद, उनकी समस्याओं का समाधान और संगठन विस्तार होना चाहिए। सरकारी बैठकों में उनकी अनावश्यक मौजूदगी अब पूरी तरह वर्जित कर दी गई है। केवल संगठन से जुड़े मुद्दों पर ही प्रभारी मंत्रियों से समन्वय की अनुमति होगी। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जिलाध्यक्ष खुद को 'नेता की जमात' समझना बंद करें और पार्टी विचारधारा के प्रति समर्पित होकर काम करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में परिवारवाद की कोई जगह नहीं होगी और आगामी नियुक्तियां योग्यता तथा समर्पण के आधार पर होंगी। भाजपा में हाल के वर्षों में सत्ता के साथ आए दलबदल, रसूख और सिफारिशों की संस्कृति से पार्टी की जमीनी पकड़ कमजोर हुई है। इसे सुधारने के लिए अब जिलाध्यक्षों से अपेक्षा की जा रही है कि वे संगठन और सत्ता के बीच एक मजबूत पुल की भूमिका निभाएं, न कि सत्ता का हिस्सा बनें। ट्रांसफर, पोस्टिंग या निजी लाभ की दौड़ से दूरी बनाने की सलाह देते हुए संगठन ने यह संदेश दिया है कि भाजपा में अब केवल विचार और कार्यकर्ता केंद्र में रहेंगे। इस नई गाइडलाइन से उम्मीद की जा रही है कि भाजपा अपने जमीनी कार्यकर्ताओं का विश्वास दोबारा हासिल कर सकेगी और संगठन को पहले से अधिक मजबूत रूप में स्थापित कर पाएगी।

श्री पशुपतिनाथ की शाही सवारी के साथ ओखाबावजी भी निकलेंगे नगर भ्रमण पर

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्रावण मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त 2025 को भगवान श्री पशुपतिनाथ की शाही सवारी के साथ ही भगवान शिव के गण तथा दशपुर नगर के द्वारपाल चन्द्रपुरा स्थित श्री ओखा बावजी (बटुक भैरव) भी सुसज्जित सवारी में नगर भ्रमण कर नगर वासियों के दु:ख दर्द दूर करेंगे। बटुक भैरवनाथ (ओखा बावजी) दशपुर नगरी के द्वारपाल है उनकी महिमा अपार है जिनके दर्शन तथा मंदिर परिसर में स्थित कुएं के जल के सेवन मात्र से कई असाध्य रोग दूर हो जाते है। सात देवों के रूप प्रतिष्ठित होकर ओखाबावजी सात प्रकार की बीमारियों को भी दूर करते हैं। इनमें ओखाबावजी-बुखार, टाईफाईड, छोटे बच्चों को नजर से बचाव जिससे उन्हें होने वाली बिमारियों को

दूर करना, शरीर पर बारिक दाने होना, पानीझरा बावजी-आंखो से आंसू आना, पानी पीने की मात्रा बढ़ना, बेरा बावजी-कानों से सुनाई न देना, आंखों की रोशनी कम हो जाना, बेण्डा बावजी-मानसिक संतुलन बिगड़ना, गुंगा बावजी-गले से आवाज बंद होना, अनोखा बावजी-बुरे स्वप्न आना, बहकी हुई बातें करना आदि विशेष प्रकार के रोगों को हरकर अपने भक्तों के कष्ट दूर करते हैं।

नगर भ्रमण से पूर्व प्रात: काल बजे पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में ओखाबावजी की अगवानी प्रात: कालीन आरती मण्डल के अध्यक्ष दिलीप शर्मा व मण्डल के सदस्यों द्वारा की जायेगी। संतों के सानिध्य में सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, विधायक विपिन जैन, नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, नवकृष्ण पाटील, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद ओखाबावजी का महाभिषेक करेंगे। ओखाबावजी मोतीबावजी चरण सेवक समिति के आलोक शर्मा, ब्रजेश जोशी, नरेन्द्र अग्रवाल, नरेन्द्र धनोतिया, धर्मवीर रत्नावत, नेमीचंद राठौर, संजय लोढा, पुष्पराजसिंह राणा, आशुतोष नवाल, नन्दू आडवानी, पंकज शर्मा, प्रकाश सिसौदिया, जितेश फरक्या, गोलू चौहान, कमल गोस्वामी, दिनेश चौधरी, सचिन जैन, दिलीप सेठिया एवं सांई पालकी मानव सेवा समिति मंदसौर ने सभी धर्मालुजनों से महाअभिषेक व शाही सवारी में सम्मिलित होने की अपील की है। इस बार ओखाबावजी को आशीर्वाद देते हुए झांकी का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी शैलेन्द्रगिरी गोस्वामी ने दी।

भगवान पशुपतिनाथ की राजसी सवारी में गूंजेगा बेटियों का डमरू, आदिशक्ति मंडल बनेगा आकर्षण का केंद्र

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। इस वर्ष सावन मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को मंदसौर में श्री पशुपतिनाथ प्रात:काल आरती मण्डल द्वारा निकाली जाने वाली भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की भव्य राजसी सवारी में आदिशक्ति मंडल द्वारा नंदनी सोनी के नेतृत्व में 30 बेटियां अपनी डमरू वादन की अनूठी प्रस्तुतियों के साथ एक बार फिर आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। विशेष बात यह है कि इस मंडल की प्रतिभाशाली बेटियाँ अपने डमरू वादन और सांस्कृतिक उत्साह से न केवल भीड़ का मन मोह लेंगी, बल्कि देवाधिदेव महादेव के चरणों में अपनी कला से श्रद्धा भी अर्पित करेंगी। नंदनी सोनी के मार्गदर्शन में यह मंडल आज देशभर में अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। उनके नेतृत्व में आदिशक्ति मंडल की बेटियाँ झारखंड, कोलकाता, उड़ीसा, बिहार, बंगाल, पटना, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात और मध्यप्रदेश के अनेक जिलों में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन से सराहना प्राप्त कर चुकी हैं। विगत तीन वर्षों की भांति इस बार भी, भूतभावन भगवान भोलेनाथ की राजसी

सवारी में ये बेटियाँ अपने डमरुओं की गूंज से यह सिद्ध करेंगी कि भारत की सांस्कृतिक परंपराएं आज भी जीवित हैं और उन्हें आगे बढ़ाने में बेटियाँ अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। मंदसौर की ये बेटियाँ केवल कलाकार नहीं, बल्कि संस्कृति की वाहक हैं, जो पूरे देश को यह संदेश देती हैं कि यदि बेटियाँ ठान लें, तो हर मंच उनका होता है। भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की कृपा से यह मंडल नित नई उँचाइयाँ छूता रहे। यही मंगलकामना है।

जिला भाजपा मंदसौर की आज गरोठ में संगठनात्मक बैठक-दीक्षित

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश

अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एंव भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के निर्देशानुसार आज दिनांक 3 अगस्त को जिला भाजपा की आगामी संगठनात्मक बैठक हर घर तिरंगा अभियान, स्वच्छता अभियान, विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस सहित अन्य विषयों को लेकर जिला भाजपा संगठन प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा में मुख्य आतिथ्य एंव भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित की अध्यक्षता में शिव कमल रिसोर्ट गरोठ में आज रविवार को दोपहर 12 बजे आहुत की गई है। उक्त बैठक में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा, सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, केबीनेट मंत्री दर्जा प्राप्त बाबुलाल बंजारा, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, विधायकगण हरदीपसिंह डंग, चन्दरसिंह सिसोदिया, पूर्व विधायकगण कैलाश चावला, यशपालसिंह सिसोदिया, देवीलाल धाकड, राधेश्याम पाटीदार, राजेन्द्रसिंह सिसोदिया, प्रकोष्ठप्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, बाबुलाल चौहान, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, डॉ.सुषमा आर्य एंव मुकेश काला आदि की गरीमामय उपस्थिति रहेगी। बैठक में भाजपा जिला पदाधिकारीगण, भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री गण, मोर्चा जिला अध्यक्ष एंव महामंत्री गण, प्रकोष्ठ जिला संयोजक गण, नगर पालिका एंव नगर परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष गण, जिला एंव जनपद पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष गण आदि की अनिवार्य उपस्थिति रहेगी, सभी अपेक्षित सदस्यों से आग्रह है कि वे इस बैठक में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें और बैठक में सक्रिय रूप से भाग लें।

पोरवाल खाद भण्डार, मल्हारगढ़ के लायसेंस को निलंबित किया

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्री रविन्द्र मोदी, उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंदसौर द्वारा बताया गया कि, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग के मार्गदर्शन में जिले के किसानों को मानक स्तर के कृषि आदान यथा उर्वरक, बीज, कीटनाशक इत्यादि निर्धारित मूल्य में मिले। इसी तारतम्य में उप संचालक कृषि द्वारा गठित दल द्वारा लगातार कार्यवाही कर 2 अगस्त को मल्हारगढ में फर्म पोरवाल खाद भण्डार, प्रोपराईटर श्री जयदीप पोरवाल के फर्म पर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, निरीक्षण दल को फर्म पर बिना 'ओ' फार्म के उर्वरक भण्डारण एवं क्रय-विक्रय, मूल्य सूचि एवं सकंध पंजी, विक्रय दर बोर्ड का संधारण नहीं करना, केश केडिट मेमो जारी न करना, निर्धारित अभिलेखों का संधारण न रखने के कारण उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 की धारा 4, 5, 8 व 35 का स्पष्ट उलंघन पाया गया, जिससे उक्त फर्म का लायसेंस निलंबित किया गया है। उक्त कार्यवाही के दौरान उप संचालक कृषि श्री रविन्द्र मोदी, सहायक संचालक कृषि श्रीमती अनिता धाकड, श्री पी.एस. कटारा, उर्वरक निरीक्षक सह वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री चेतन पाटीदार, कृषि विस्तार अधिकारी श्री जितेन्द्र चौहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वैश्य महासम्मेलन का पारिवारिक मिलन समारोह आज

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। वैश्य महासम्मेलन जिला इकाई मंदसौर द्वारा 3 अगस्त रविवार को परिवारिक मिलन समारोह का आयोजन रेवास देवडा रोड स्थित कौशल्या गार्डन में रखा गया है। समारोह वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री श्री जगदीश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य, संभागीय अध्यक्ष श्री संतोष चौपडा की अध्यक्षता एवं मंदसौर जिला प्रभारी श्री नरेन्द्र अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक श्री नंदकिशोर अग्रवाल युवा इकाई संभागीय प्रभारी डॉ आशीष अग्रवाल, संभागीय अध्यक्ष श्री कपिल भण्डारी एवं महिला इकाई संभागीय प्रभारी श्रीमती चंदा कोठारी के विशेष आतिथ्य में संपन्न होगा। इस आशय की जानकारी देते हुए वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष श्री जगदीश चौधरी, महामंत्री श्री भगवान दास विजयवर्गीय, तहसील अध्यक्ष श्री सत्यनारायण छापरवाल, युवा इकाई जिला प्रभारी श्री जगदीश काला, जिलाध्यक्ष श्री राकेश दुग्गड, जिला महामंत्री श्री दिलीप सेठिया, महिला इकाई जिला प्रभारी श्रीमती भारती अग्रवाल, जिलाध्यक्ष श्रीमती श्वेता अग्रवाल ने बताया कि वैश्य महासम्मेलन जिला इकाई मंदसौर द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी परंपरागत रूप से पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन रखा गया है। पारिवारिक मिलन समारोह के तहत 3 अगस्त रविवार को दोपहर 12:30 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। ततपश्चात दोपहर 1 बजे से फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, 2 बजे चेयर रेस, 2.30 बजे लक्की गेम, 3.00 बजे ग्रुप नृत्य एवं 3.30 बजे रेम्प वाक प्रतियोगिता का आयोजन तथा संध्या 4 बजे समापन एवं पुरुस्कार वितरण समारोह होगा।

स्वसहायता समूहों के माध्यम से 11 हजार लखपति दीदीयां बनी-सांसद

सांसद की अध्यक्षता में नीमच में दिशा कमेटी की बैठक सम्पन्न

नीमच, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। आजीविका मिशन के तहत नीमच जिले में 4983 स्व् सहायता समूह गठित किए गए है। इन समूहों में नीमच जिले के 45 हजार परिवार जुडे है। तीन हजार से अधिक समूहों को 46 करोड से अधिक का रिवाल्विंग फण्ड। एवं 1929 समूहों को कुल 899 करोड की ऋण राशि विभिन्न आर्थिक गतिविधियाँ संचालित करने के लिए उपलब्ध करवाई गई है। यह जानकारी नीमच, मंदसौर, जावरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने शनिवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित दिशा कमेटी की बैठक में आजीविका मिशन द्वारा संचालित योजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा करते हुए दी। बैठक में जावद विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, मनासा विधायक प्रतिनिधि श्री बगदीराम गुर्जर, समिति सदस्य, नीमच न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपडा, पूर्व न.पा.उपाध्यक्ष श्री महेन्द्र भटनागर, श्री राकेश पप्पु जैन, श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, श्री आदित्य मालू, श्री हेमंत हरित, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदाबाई धनगर, श्री रतनलाल मालावत सहित सभी नगरीय निकायों के अध्यक्षगण एवं समिति सदस्यगण तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सांसद ने सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे विभाग द्वारा की जाने वाली सार्वजनिक गतिविधियों की जानकारी सूचना निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाए। उन्होने कहा कि सांसद के पत्रों का उत्त र 7 दिवस में देना अनिवार्य है। सांसद ने कहा कि विकास कार्यो, निर्माण कार्यो का अवलोकन करने की अपेक्षा रखते है। समय-समय पर सांसद कार्यालय से समय लेकर विकास कार्यो का निरीक्षण अवश्य करवाए। विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने सुझाव दिया कि वन अनुमति के नाम पर सडकों का निर्माण कार्य ना रोका जाए। जो भी प्रक्रिया हो, उसे पूर्ण कर निर्माण कार्य अविलम्ब प्रारंभ करवाया जाना चाहिए। विधायक श्री सखलेचा ने पौधारोपण के कार्य के लिए स्थानीय विधायक से चर्चा कर कार्य चयनित करने का भी सुझाव दिया। उन्होने ग्राम वन समितियों व अन्य समितियों के गठन प्रक्रिया एवं समितियों के गठन के कार्यक्रम की सूचना स्थनीय विधायकों को भी उपलब्ध कराने का सुझाव दिया।

बैठक में सांसद श्री गुप्ता ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान कहा कि म.न.रे.गा. के लेबर बजट का उपयोग, पंचायतों की रैकिंग प्रणाली का विकास कर रैंक के आधार पर करने के निर्देश दिए। विधायक प्रतिनिधि श्री बगदीराम गुर्जर ने ग्राम कुण्डारलिया के वाटरशेड राशि के दुरूपयोग की जाँच उपरांत दोषी के विरूद्ध कार्यवाही करने का सुझाव दिया। उन्होने पर्यावरण संरक्षण के लिए पर्यावरण मित्रों को प्रदाय की गई स्कूटी का अन्य लोगो द्वारा उपयोग करने की बात कही। इस पर सांसद ने स्कूटी पर योजना का नाम एवं विवरण लिखवाने के निर्देश दिए। बैठक में सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने परिवहन विभाग की समीक्षा में सड़क सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करवाने के निर्देश भी आरटीओ को दिए। उन्होगने सभी निर्माण विभागों को निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप ही निर्माण कर्यो का निर्माण करवाने के निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित समिति सदस्यों ने भी महत्वणपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में उद्योग, जल जीवन मिशन द्वारा संचालित कार्यो, योजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैठक में सांसद ने जल जीवन मिशन के कार्यो, रोड रेस्ट्रो रेशन कार्य की गुणवत्ता जाँच एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य सुनिश्चित करने के लिए जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विधायक श्री सखलेचा के सुझाव पर जिले के सभी गिट्टी क्रेशरों पर डस्ट प्रबंधन निर्धारित नियमों का एक माह में पालन सुनिश्चित करवाने के निर्देश भी खनिज अधिकारी को दिए गए।

जिले के 2 लाख 19 हजार किसानों को 43 करोड़ 83 लाख का हितलाभ प्रदान किया

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत देश भर के किसानों को 20 वीं किस्त का वितरण किया गया। पीएम किसान योजनांतर्गत मंदसौर जिले के 2 लाख 19 हजार

175 किसानों को 43 करोड 83 लाख 50 हजार की राशि आज सिंगल क्लिक के माध्यम से वाराणसी से वितरित की। इस दिवस को 'पीएम किसान दिवस' के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का प्रसारण वाराणसी उत्तरप्रदेश से किया गया। उक्त कार्यक्रम को सभी ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, एफपीओ, पीएसीएस कार्यक्रम आयोजित किए गए। जहां पर कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। जहां किसानों ने लाइव कार्यक्रम को देखा और सुना गया। कृषि विज्ञान केंद्र मंदसौर एवं मंदसौर मंडी में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंदसौर कृषि उपज मंडी कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, श्री राजेश दीक्षित, जिला अधिकारी एवं किसान मौजूद थे। इस दौरान राज्यसभा सांसद श्री गुर्जर ने कहा कि सरकार ने हमेशा किसानों की चिंता की है। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वाराणसी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त का वितरण किया गया है। जिसमें जिले के किसानों को भी राशि प्राप्त हुई है। सरकार द्वारा किसानों के लिए बहुत सारी योजनाएं चला रखी हैं, जिसमें उनको लाभ मिल रहा है।

सत्यनारायण सोनी और रामीबाई सैनी पंचतत्व में विलीन, दी श्रद्धांजलि

पिपलियामंडी, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नगर के प्रतिष्ठित स्वर्ण व्यवसायी शैलेन्द्र सोनी व अनूप सोनी के पूज्य पिताश्री एवं स्वर्णकार समाज के वरिष्ठसदस्य सत्यनारायण सोनी का शनिवार को 62 वर्ष की आयु में दु:खद निधन हो गया। शनिवार को निकली अंतिमयात्रा में बड़ी संख्या में समाजजन, गणमान्य नागरिक और नगरवासी शामिल हुए। मुक्तिधाम पर पुत्रों ने उन्हें मुखाग्नि देकर अंतिम विदाई दी। इसी तरह खात्याखेडी निवासी सैनी समाज की वरिष्ठमहिला 105 वर्षीय रामीबाई सैनी का भी निधन हो गया। उनकी अंतिमयात्रा में भी समाजजन, परिजन और गणमान्यजनों ने भाग लिया और नम आंखों से विदाई दी। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा, सरपंच अभिमन्यु कारपेंटर, पूर्व सरपंच दिनेश कारपेंटर, पार्षद मुकेश निडर, पूर्व पार्षद अनिल बोराना व देवेन्द्र कराडा, विजेश मालेचा, ओमप्रकाश गेहलोत, मोहनलाल सैनी, राधेश्याम सैनी, इन्द्रदेव गुर्जर, कमलेश भूत, कन्हैयालाल पाटीदार, पुष्कर धनोतिया सहित अनेक गणमान्यजनों ने पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। शोक सभा का संचालन हरिप्रसाद गेहलोत ने किया।

कोयंबटूर-जयपुर स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन चलेगी, मिलेगी सुविधा

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। त्यौहारों पर यात्रियों के आवागमन को देखते संसदीय क्षेत्र में नई ट्रेन कोयंबटूर-जयपुर स्टेशल ट्रेल का संचालन किया जाएगा। जिसका स्टॉपेज संसदीय क्षेत्र केतीनों प्रमुख स्टेशन नीमच, मंदसौर व जावरा पर होगा।

सांसद सुधीर गुप्ता द्वारा रेलवे में विकास कार्यो और नई नई ट्रेनों के संचालन व स्टापेज को लेकर निरंतर अधिकारियों से जुडे रहते है। कुछ दिन पूर्व ही हैदराबाद-जोधपुर ट्रेन का संचालन शुरू हुआ जो क्षेत्र के तीनों स्टेशन नीमच, मंदसौर व जावरा पर स्टापेज होती है अब एक ओर ट्रेन कोयंबटूर-जयपुर स्पेशन ट्रेन की सौगात संसदीय क्षेत्र को मिली है। ट्रेन संख्या 06181 कोयंबटूर-जयपुर व ट्रेन संख्या 06082 जयपुर-कोयंबटूर साप्ताहिक ट्रेन का स्टापेज संसदीय क्षेत्र के तीनों स्टेशनों पर होगा। सांसद सुधीर गुप्ता ने बताया कि रक्षाबंधन, गणेश चतुर्थी, नवरात्रि सहित अन्य त्यौहारों को देखते हुए रेलवे ने कई स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। जिसके तहत संसदीय क्षेत्र के यात्रियों को भी सुविधा मिलने जा रही है। कोयंबटूर व जयपुर के यात्रियों को ट्रेनों की सुविधा मिलेगा। इससे आवागमन में सुविधा होगी। ट्रेन 06181 का संचालन 7 अगस्त गुरूवार को कोयंबटूर से प्रारंभ होगी जो अगले दिन जावरा 3.55 बजे, मंदसौर 4.42 बजे व नीमच 4.55 बजे होते हुए जयपुर शनिवार को 1.55 बजे पहुंचेगी। वही ट्रेन संख्या 06182 जयपुर से 10 अगस्त को प्रारंभ होगी जो जयमेर, नसीराबाद, भीलवाडा, चितौडगढ होते हुए नीमच 4.20 बजे, मंदसौर 5.5 बजे एवं जावरा 4.20 बजे होते हुए अगले दिन बुधवार को 8.30 बजे कोयंबटूर पहुंचेगी। मंदसौर संसदीय क्षेत्र में पहली बार इतनी लंबी दूरी की ट्रेन गुजरेगी। संसदीय क्षेत्र में दोहरीकरण का कार्य पूर्ण होने को है ऐसे में दोहरीकरण के बाद स्थायी मिलने वाली रेलगाड़ी की सुविधाओं का यह एक और संकेत है। सांसद सुधीर गुप्ता ने इस हेतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी का आभार प्रकट किया।

श्रीमती कृतिका माथुर पीएचडी उपाधि से अलंकृत

मंदसौर, 02 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय मंदसौर की सहायक प्राध्यापक श्रीमती कृतिका माथुर को मंदसौर विश्वविद्यालय

द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में डॉ.संतोष सुधाकर रूकारी के निर्देशन में माध्यमिकस्तरके शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक प्रतिबद्धता का शिक्षण शैली पर प्रभाव का अध्ययन टॉपिक पर पीएचडी उपाधि प्राप्त की। महाविद्यालय परिवार व स्नेहीजनों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मंदसौर

महू-नीमच रोड शासकीय महाविद्यालय के पास मंदसौर, E-mail-: eephedmas@mp.nic.in

NIT NO. 10/2025-26

क्रमांक-1895/व.ले.लि./का.यं./2025 मंदसौर, दिनांक - 30.07.2025

निम्नलिखित कार्य आमंत्रण सूचना वेबसाईट www.mptender.gov.in पर प्रदर्शित की गई है। टेंडर का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

टेण्डर आई. डी.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपयों में)	1. अर्नेस्टमनी (रुपये में) 2. आमंत्रण क्रमांक	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा क्रय की अंतिम तिथि
2025_PHED_441175_1	Vehicles on rent with driver but excluding POL (Diesel) for One Year for supervision and inspection and physical verification of various constructions work in Mandsaur District. Vehicle Model- 2022 Make-Mahindra Scorpio, Mahindra TUV T8, Mahindra Bolero,eater vehicle and power steering, power window should be) For Assistent Engineer Public Health Engineering Sub-Division Bhanpura District Mandsaur As per BOQ	293004.00	1. 5860.00 2. द्वितीय आमंत्रण	365 दिवस	11.08.2025 17.30 तक

उक्त कार्य की निविदा क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिग एकाउन्ट के माध्यम से भुगतान करने पर ऑनलाईन उक्त बेवसाईट पर क्रय की जा सकती है। निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

नोट :- निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन वेबसाईट पर देखा जा सकता है। संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

(पी.के. गोगादे)
कार्यपालन यंत्री, लोक स्वा.यां. खंड, मंदसौर
फोन नं.-07422232190

G-16658/25 दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in